MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-28 ❖ मुंबई ❖ रविवार 03 से 09 जुलाई 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

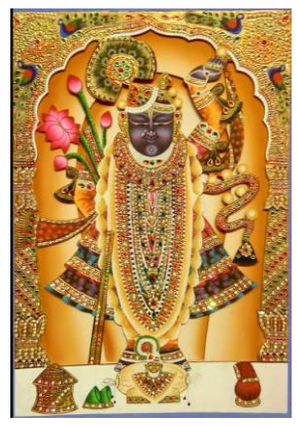

पेज 3
उद्धव ठाकरे के साले श्रीधर पाटणकर को CBI से मिली राहत, अवैध लेन-देन के सबूत नहीं, क्लोजर रिपोर्ट फाइल

पेज 5
बॉलीवुड में सिंगर अल्ताफ सैय्यद के बढ़ते कदम, जड़ों से जुड़े कम्पोज़र की अद्भुत जर्नी

पेज 7
आमिर खान ने अपने फर्स्ट लव का किया खुलासा

पेज 8
चिदंबरम ने जीएसटी में बताईं कई कमियां, कहा- इसमें गंभीर जन्म दोष, अर्थव्यवस्था को किया बर्बाद

एक नजर

कन्हैयालाल की हत्या की साजिश में दो गिरफ्तार

उदयपुर। उदयपुर में दर्जी कन्हैयालाल की हत्या की साजिश रचने के आरोप में बृहस्पतिवार रात को दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उदयपुर में पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को कहा, 'दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों दर्जी कन्हैयालाल की हत्या की साजिश में भागीदार थे और उनसे पूछताछ की जा रही है।' गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहसिन और आसिफ के रूप में हुई है। दर्जी कन्हैयालाल की दो लोगों रियाज और गौस मोहम्मद ने मंगलवार को उसकी दुकान में चाकू से हमला कर हत्या कर दी थी।

हिमंत ने सिसोदिया पर किया मानहानि का केस

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने उन पर पीपीई किट्स की खरीद में कथित भ्रष्टाचार करने के लगाए गए आरोपों को लेकर दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा दर्ज करवाया है। सरमा के वकील देवोजीत सैकिया ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सिसोदिया ने सरमा पर कोविड-19 महामारी की पहली लहर के दौरान असम में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अधिकारियों को बाजार से अधिक कीमतों पर पीपीई किट्स की आपूर्ति करने का आरोप लगाया था।

ट्रेलर ने ई-रिक्शा को रौंदा, पांच की मौत

सुलतानपुर। जिले की थाना कोतवाली देहात अंतर्गत प्रयागराज-अयोध्या बाईपास पर शुक्रवार को विपरीत दिशा से आ रहे ट्रेलर वाहन ने एक ईरिक्शा को रौंद दिया। दुर्घटना में पांच लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी रवीश गुप्ता और पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा जिला अस्पताल पहुंचे।

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए शिवसेना के राजन सालवी ने किया नामांकन

मुंबई, शिवसेना विधायक राजन सालवी ने शनिवार को विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर कांग्रेस के बालासाहेब थोरात, अशोक चव्हाण, राकांपा के जयंत पाटिल तथा शिवसेना के सुनील प्रभू सहित महाविकास आघाड़ी गठबंधन के कई नेता मौजूद थे। विधानसभा अध्यक्ष पद का उम्मीदवार तय करने के लिए महाविकास आघाड़ी के नेताओं ने आज मुंबई में बैठक की थी। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए राजन साल्वी के नाम पर सहमति बनी। इसके बाद राजन सालवी ने नामांकन दाखिल किया है। अब विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए भाजपा उम्मीदवार राहुल नार्वेकर और शिवसेना के राजन सालवी के बीच सीधी टक्कर होगी। अध्यक्ष पद का चुनाव रविवार को होगा। भाजपा उम्मीदवार राहुल नार्वेकर राकांपा नेता एवं विधानपरिषद के सभापति रामराजे निंबालकर के दामाद हैं। राहुल नार्वेकर पहले राकांपा में थे, इसके बाद वे शिवसेना में शामिल हुए थे। वर्ष 2019 में राहुल नार्वेकर भाजपा में शामिल हुए थे और कोलाबा विधानसभा क्षेत्र (Assembly Area) से विजयी हुए। वहीं, हालिया राजनीतिक संकट में शिवसेना के कई विधायक एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो गए, लेकिन राजन सालवी एक वफादार सैनिक के रूप में शिवसेना में बने रहे। राजेंद्र सालवी रत्नागिरी जिले के राजापुर विधानसभा क्षेत्र से शिवसेना के विधायक हैं। वे इस क्षेत्र से लगातार तीसरी बार विधायक हैं।

शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे का राज्य सरकार से आह्वान

कारशेड के लिए आरे की जिद न करें, मेरे पीठ पर जैसे वार किया है, वैसा खंजर मुंबई के कलेजे में न घोंपें

मुंबई, आरे में कारशेड के लिए एक ही रात में सैकड़ों पेड़ों का कत्ल किया गया था। पर्यावरण की रक्षा के लिए मैंने पहले मंत्रिमंडल की बैठक में ही कारशेड को स्थगित किया था। विकल्प के लिए कांजुरमार्ग की जगह तय करने में भी हमारा अहंकार नहीं था। मुंबईकरों की ओर से मैं हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि कारशेड के लिए दोबारा आरे का आग्रह न करें। मेरा गुस्सा मुंबई पर न निकालें। मेरी पीठ पर वार किया, वैसा मुंबई के कलेजे में खंजर मत घोंपो, ऐसा आह्वान शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे ने कल राज्य सरकार से किया। हम मुंबई के विकास में बाधक नहीं हैं। लेकिन पर्यावरण के साथ खेल मत करो, ऐसा भी उन्होंने कहा।

मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे अब आगे से शिवसेना भवन में बैठेंगे, ऐसी घोषणा की थी। इसके तहत उन्होंने कल शिवसैनिकों और पदाधिकारियों के साथ बैठक ली। इसके बाद उन्होंने पत्रकार परिषद को संबोधित किया। नई बनी सरकार ने आरे कारशेड के संदर्भ में लिए गए निर्णय पर उद्धव ठाकरे ने नाराजगी व्यक्त की।

जहां पेड़ काटे गए, वहां वन्य जीवन है

कारशेड के लिए जिस जगह पेड़ काटे गए, वहां बीच में तेंदुआ घूमता हुआ पाया गया था। मतलब वहां वन्य जीवन है। वहां कारशेड बनाया गया तो राहगीरों की आवाज से वहां वन्य जीवन भी खतरे में आ जाएगा और फिर वहां कुछ भी नहीं, ऐसा कहते हुए तुम आगे-आगे जाओगे, ऐसा भय भी उद्धव ठाकरे ने व्यक्त किया। उन्होंने दृढ़ रूप से कहा कि मैं पर्यावरणवादी और पर्यावरण के साथ हूं।

कांजुर में कारशेड हुआ तो मेट्रो अंबरनाथ-बदलापुर तक

मुंबई में करीब ८०० एकड़ का जंगल आरक्षित किए जाने पर आरे में आगे जाने का विचार किया तो सरकार वहां जा नहीं सकती, इसकी भी याद उन्होंने दिलाई। कांजुरमार्ग की जमीन महाराष्ट्र की ही है। उसे सरकार महाराष्ट्र और मुंबई के हितों के लिए इस्तेमाल करे, ऐसा भी उद्धव ठाकरे ने कहा। कांजुर में कारशेड हुआ तो मेट्रो को बदलापुर-अंबरनाथ तक ले जाया जा सकता है, ऐसा भी उन्होंने कहा।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का शिवसेना से अब कोई संबंध नहीं : राऊत

मुंबई, शिवसेना प्रवक्ता तथा राज्यसभा सदस्य संजय राऊत ने शनिवार को आरोप लगाया कि मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की साजिश रची गई है। इसी वजह से एकनाथ शिंदे को उकसाकर शिवसेना में सुनियोजित तरीके से बगावत करवाई गई और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास आघाड़ी सरकार गिराई गई। इसी कड़ी में भाजपा की मदद से एकनाथ शिंदे ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे और उनके साथ मौजूद बागी विधायकों का शिवसेना से अब कोई संबंध नहीं है।

राऊत ने पत्रकारों से कहा कि सुनियोजित तरीके से शिंदे गुट को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है।

शिंदे गुट इसे महसूस कर रहा है। इसी वजह से उनकी तरफ से बार-बार बताने का प्रयास किया जा रहा है कि वे शिवसैनिक हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुंबई पर कब्जा करने के लिए एकनाथ शिंदे के कंधे पर बंदूक रख दी गई है, लेकिन शिवसेना इस साजिश को समझ रही है, इसलिए महाराष्ट्र से मुंबई अलग करने का प्रयास सफल नहीं होने देगी। मुंबई बहुत ही संघर्ष के बाद महाराष्ट्र को मिली है।

सांसद राऊत ने बताया कि शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (Ed) ने बुलाया था और 10 घंटे तक पूछताछ की। पूछताछ के बारे में राउत ने कहा, मेरे पास गुवाहाटी जाने का विकल्प भी था, लेकिन मैंने ईडी की जांच का सामना किया। अगर सच्चाई आपके पक्ष में है तो डरने की कोई बात नहीं है। राऊत ने आरोप लगाया कि ईडी का डर दिखाकर शिवसेना को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन बालासाहेब ठाकरे का कहना था कि किसी भी विपरीत स्थिति का सामना निडर होकर करना चाहिए। इसलिए हम ईडी से डरेंगे नहीं, सामना करेंगे।

पुणे मंडल ने 30 हजार से अधिक बिना टिकट लोगों से जुमार्ना वसूला

मुंबई, मध्य रेल के पुणे मंडल पर जून महीने में टिकट जांच के दौरान 30 हजार से अधिक लोगों को बिना टिकट यात्रा करते पाया गया और उनसे 2 करोड़ 3 लाख 15 हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया गया। इसी के साथ 137 लोगों को अनियमित रूप से यात्रा करने पर 73 हजार रुपए जुर्माना लगाया गया, जबकि बिना बुक किए गए सामान को ले जाते हुए 158 लोगों से 18 हजार रुपए जुर्माना राशि वसूल की गई है। पुणे मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मनोज झंवर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस वर्ष अप्रैल से जून के तीन महीनों में एक लाख चार हजार 68 मामलों में 7 करोड़ 3 लाख 50 हजार रुपए जुर्माने के रूप में वसूल किए गए जो एक उत्तम प्रदर्शन है। यह कार्रवाई मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती रेणु शर्मा के मार्गदर्शन में तथा अपर मंडल रेल प्रबंधक बृजेश कुमार सिंह एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मिलिंद हिरवे के समन्वय में टिकट जांच निरीक्षकों तथा रेल सुरक्षा बल के सहयोग से की गई।

'प्रधानमंत्री मनरेगा की गहराई को समझ ही नहीं पाए हैं', राहुल गांधी का पीएम मोदी पर बड़ा हमला

केरल यात्रा के दूसरे दिन भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड में मौजूद हैं और विभिन्न कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। इस दौरान उन्होंने मनरेगा के कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात की और उन्हें संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि UPA की सरकार ने MGNREGA को संकल्पित, विकसित और लागू किया था। मुझे याद है जब इसका पहली बार उल्लेख किया गया था तब हमें काफी प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था। नौकरशाहों, व्यवसायियों ने कहा था कि यह पैसे की बर्बादी है।

पीएम को मनरेगा को गहराई से समझने की जरूरत: राहुल गांधी

मनरेगा को लेकर राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर भी निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि जब मैंने लोकसभा में प्रधानमंत्री को मनरेगा के खिलाफ बोलते हुए सुना तो मैं चौंक गया था। उन्होंने इसे U P A की विफलताओं का जीवंत स्मारक बताया था।

उन्होंने इसे राजकोष पर एक बोझ बताया था। इससे मुझे एहसास हुआ कि प्रधानमंत्री वास्तव में मनरेगा की गहराई को नहीं समझ पाए हैं। राहुल ने कहा कि मैं कोरोना काल के दौरान देख रहा था जब हजारों की संख्या में लोग बेरोज़गार हुए वहीं मनरेगा ने लोगों को बचाया था। PM ने उस समय मनरेगा पर कोई सवाल नहीं उठाया क्योंकि यह स्पष्ट हुआ जो उन्होंने U P A की विफलताओं का जीवंत स्मारक बताया था उसी चीज़ ने भारत को कोविड के समय बचाया। इससे पहले राहुल गांधी शुक्रवार को मनांथावडी में एक किसान बैंक के भवन का उद्घाटन और सुल्तान बाथेरी में यूडीएफ बहुजन संगमम में शामिल हुए थे।

कैप्टन बन सकते हैं एनडीए के उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ! पंजाब फतह करने की यह है भाजपा की रणनीति

कैप्टन अमरिंदर सिंह की पार्टी 'पंजाब लोक कांग्रेस' का जल्द ही भाजपा में विलय हो सकता है। दोनों दलों के बीच इस पर सैद्धांतिक सहमति बन गई है। अगले कुछ दिनों में इस पर अंतिम फैसला किया जा सकता है। इससे भाजपा को पंजाब में अपना आधार बढ़ाने में कुछ मदद मिल सकती है, तो इसके बदले में कैप्टन अमरिंदर सिंह को क्या मिल सकता है, इस पर अटकलें जारी हैं। कहा जा रहा है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह को उप राष्ट्रपति का उम्मीदवार बनाकर भाजपा सिख समुदाय में एक बेहतर संदेश देने की कोशिश कर सकती है। भाजपा की इस रणनीति को कांग्रेस को एक और झटका देने की कोशिश के रूप में भी देखा जा रहा है। दरअसल, कैप्टन अमरिंदर सिंह इस समय स्पाइन की गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। उनका लंदन में ऑपरेशन हुआ है और इस समय वह आराम कर रहे हैं। उनका परिवार भी इस समय उनके

साथ है। इस बीमारी से उबरने में उन्हें कुछ समय लग सकता है। स्वास्थ्य कारणों से कैप्टन लंबे समय से अपनी पार्टी को समय नहीं दे पा रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में भी वे पार्टी को बहुत सही तरीके से संचालित नहीं कर पाए और लंबे वक्त तक मुख्यमंत्री रह चुके कैप्टन अपनी पार्टी को पंजाब में एक मजबूत स्थिति में लाने में नाकाम रहे। पार्टी ने एनडीए के गठबंधन में पंजाब की 28 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन किसी एक सीट पर भी उसके उम्मीदवार जीतने में असफल रहे। ज्यादातर उम्मीदवारों की जमानत भी जब्त हो गई। उनकी सेहत को देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि आगे भी वे पार्टी को बहुत सक्रिय रूप से चला पाएंगे। इससे पार्टी और कार्यकर्ताओं, दोनों का भविष्य अंधेरे में पड़ गया है। कहा जा रहा है कि ऐसी स्थिति में अपने करीबी सलाहकारों की बात पर चलते हुए कैप्टन अमरिंदर सिंह अपनी पार्टी का विलय भारतीय जनता पार्टी में कर देंगे।

उप राष्ट्रपति बनाने की चर्चा

चर्चा है कि भारतीय जनता पार्टी कैप्टन अमरिंदर सिंह को उप राष्ट्रपति उम्मीदवार बना सकती है। इससे भाजपा सिख समुदाय में एक सकारात्मक संदेश देने की कोशिश कर सकती है, जिसका लाभ उसे पंजाब विधानसभा के अगले चुनावों के दौरान हो सकता है। वहीं, इससे वह कांग्रेस को एक मनोवैज्ञानिक झटका देने में भी सफल साबित हो सकती है। गांधी परिवार के बेहद करीबी रहे व्यक्ति के उच्च सदन में सभापति होने से उसे लगातार असहज स्थिति में रखा जा सकता है। किसान आंदोलन के समय से ही भाजपा खुद को सिख समुदाय का करीबी बताने की कोशिश करती रही है। इसके लिए कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुद्वारा रकाबगंज जाते हुए देखे गए, तो कभी पंजाब में पगडी पहने देखे गए। सिख गुरु के अवतरण दिवस पर कृषि कानूनों की वापसी को भी उनकी इसी कोशिश के रूप में देखा गया था।

नए नेतृत्व और नए समीकरण से आगे बढ़ेगी भाजपा, मराठा और पिछड़ा वोट बैंक साधने की तैयारी

महाराष्ट्र की राजनीति में भाजपा ने अंतिम समय में जो दांव चला उसके पीछे राज्य में नए नेतृत्व और नए समीकरणों के सहारे आगे बढ़ने की तैयारी है। एकनाथ शिंदे को सीएम और देवेंद्र फडणवीस को डिप्टी सीएम बनाकर भाजपा नेतृत्व ने बड़े बदलाव का साफ संदेश दिया है। राज्य के पिछड़ों में अच्छा आधार बना चुकी भाजपा की निगाहें अब मराठा वर्ग पर है।

शिवसेना में बगावत का नेतृत्व करने वाले एकनाथ शिंदे को भाजपा नेतृत्व दो तिहाई विधायक जुटाने की स्थिति में मुख्यमंत्री बनाने का वादा कर चुका था। हालांकि इसकी जानकारी फडणवीस को बृहस्पतिवार दोपहर पार्टी के राज्य के प्रभारी सीटी रवि के माध्यम से मिली। शिवसेना में बगावत का सिलसिला शुरू होने के साथ ही फडणवीस मुख्यमंत्री बनने को लेकर आश्वस्त थे। बुधवार को उद्धव ठाकरे के इस्तीफे के बाद ही उन्होंने बधाइयां स्वीकारनी शुरू कर दी थी।

अंतिम समय में खोला पत्ता

भाजपा नेतृत्व ने अंतिम समय में अपना पत्ता खोला। फडणवीस से अंतिम समय में एकनाथ शिंदे को सीएम बनाने की घोषणा कराई गई। इसके बाद शपथ ग्रहण से चंद मिनट पहले उन्हें सरकार में शामिल होने और डिप्टी सीएम बनने का निर्देश दिया गया। दरअसल भाजपा को आशंका थी कि अगर उद्धव के इस्तीफे के तत्काल बाद ब्राह्मण बिरादरी के फडणवीस को सीएम की कुर्सी दी गई तो इसका गलत राजनीतिक संदेश जाएगा। मंत्रियों की टीम में दिखेगी भाजपा की सोशल इंजीनियरिंग : उत्तर प्रदेश की तरह महाराष्ट्र में भी भाजपा सभी वर्गों में पैठ बनाना चाहती है। इस रणनीति के तहत पार्टी मंत्रिमंडल में मराठा, पिछड़ा, दलित बिरादरी को विशेष तरजीह देगी। बागी विधायकों को निलंबित करने की अर्जी पर जल्द सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार शिवसेना (उद्धव गुट) के मुख्य सचेतक सुनील प्रभु ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और 15 अन्य विधायकों को उनकी अयोग्यता पर अंतिम निर्णय होने तक निलंबित करने का निर्देश देने की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया। प्रभु की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जेबी पारदीवाला की अवकाशकालीन पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, चूंकि शिंदे गुट का भाजपा में विलय नहीं हुआ है, ऐसे में जिस क्षण उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली उन्होंने दलबदल विरोधी कानून का उल्लंघन किया। पीठ ने कहा, हमने आंखें बंद नहीं की हैं... हम मामले का परीक्षण करेंगे। सुनवाई 11 जुलाई को बागी विधायकों की याचिका के साथ होगी।

माहौल ना बिगड़े

सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा की अर्जी पर जिस तरह का सख्त रवैया दिखाया है, वह असाधारण भले हो, अस्वाभाविक नहीं है। नूपुर शर्मा यह अर्जी लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची थीं कि उनके खिलाफ देश के अलग-अलग राज्यों में जो एफआईआर फाइल की गई हैं, उन सबको क्लब कर दिया जाए और जांच दिल्ली पुलिस को सौंप दी जाए। कोर्ट ने न केवल इस अर्जी को स्वीकार करने से ही इनकार कर दिया बल्कि नूपुर शर्मा के विवादित बयान की कड़ी भर्त्सना करते हुए कहा कि उसके लिए उन्हें टीवी पर आकर पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। गौर करने लायक है कि इस संदर्भ में नूपुर शर्मा के वकील की उनके जीवन को खतरा होने की दलील भी सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए ठुकरा दी कि उन्हें खतरा है या वह खुद खतरा बन गई हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि आज देश में जिस तरह का माहौल बन गया है, उसके लिए पूरी तरह से नूपुर शर्मा ही जिम्मेदार हैं। इसके बाद यह पूछा जा रहा है कि दिल्ली पुलिस ने नूपुर शर्मा को अब तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया?

दरअसल, इस पूरे विवाद की शुरुआत एक टीवी शो के दौरान तत्कालीन बीजेपी प्रवक्ता नूपुर शर्मा की पैगंबर मोहम्मद साहब पर की गई एक टिप्पणी से हुई। उस टिप्पणी की खासतौर पर इस्लामिक देशों में तीखी प्रतिक्रिया हुई। इसके बाद बीजेपी ने टिप्पणी करने वाले और उसका समर्थन करने वाले दोनों प्रवक्ताओं को पार्टी से सस्पेंड कर दिया। भारत सरकार ने भी स्पष्ट किया कि यह पार्टी या सरकार के आधिकारिक मत का प्रतिनिधित्व नहीं करता। इसके बाद यह विवाद खत्म हो जाना चाहिए था, लेकिन इसके बाद नूपुर के बयान पर राजनीति शुरू हो गई। देश में कई जगहों पर प्रदर्शन हुए। हाल में उदयपुर में एक दर्जी की हत्या कर दी गई, जिसमें अब सीमा पार से आतंकवाद का पहलू भी सामने आ रहा है। इस बात में कोई शक नहीं है कि राजनीतिक दलों में जिम्मेदार पदों पर बैठने वालों को ऐसा बयान नहीं देना चाहिए, जिससे देश का माहौल बिगड़े। यह बात जितनी सत्ता पक्ष के लिए सही है, उतनी ही विपक्ष के लिए भी। दोनों को अमन-चैन बनाए रखने की कोशिश करनी होगी क्योंकि ऐसा ना होने पर देशविरोधी तत्व फायदा उठा सकते हैं। कुछ समय पहले हेट स्पीच को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया था। तब उत्तराखंड की बीजेपी सरकार ने भी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की थी। जिन मुद्दों से सांप्रदायिक सौहार्द या देश में शांतिपूर्ण माहौल बिगड़ने का डर हो, उन्हें तुरंत खत्म करने की पहल की जानी चाहिए। तभी देश सबका साथ, सबका विकास के नारे पर आगे बढ़ पाएगा।

बीजेपी का मास्टर स्ट्रोक

किरीट ए. चावड़ा

करीब दस दिन की जद्दोजहद के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बुधवार रात दिए इस्तीफे से जिस घटनाक्रम का एक चरण पूरा हुआ, उसी का अगला चरण गुरुवार को शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे के सीएम पद के शपथ ग्रहण पर जाकर समाप्त हुआ। आखिरी पलों तक यही माना जा रहा था कि बीजेपी के देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री होंगे और एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री। लेकिन एकदम नाटकीय घटनाक्रम के तहत राजभवन में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में देवेंद्र फडणवीस ने शिंदे के अगला मुख्यमंत्री होने की घोषणा करके सबको चौंका दिया। बीजेपी के इस मास्टरस्ट्रोक ने प्रदेश में राजनीति की बिसात पर अब तक चली जा रही सभी चालों को निरस्त कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे कह चुके हैं कि अगर मेरे बाद कोई शिवसैनिक मुख्यमंत्री हुआ तो मुझे खुशी होगी।

उस घोषणा के पीछे भी यही आकलन था कि बड़ी पार्टी होने के नाते बीजेपी मुख्यमंत्री पद अपने पास ही रखेगी। बागी विधायकों के पास अधिक से अधिक उपमुख्यमंत्री का पद ही आएगा। दलील यह थी कि आखिर शिवसेना और बीजेपी के अलगाव का मूल कारण भी मुख्यमंत्री पद ही था। बीजेपी अधिकारियों के अनौपचारिक बातचीत में दिए गए एक कथित वादे का हवाला देते हुए शिवसेना मुख्यमंत्री पद मांग रही थी जबकि बीजेपी का कहना था कि ऐसा कोई वादा किया ही नहीं गया था और ज्यादा विधायकों वाली पार्टी के नाते इस पद पर उसका हक है। मगर इन तमाम दलीलों को गलत साबित करते हुए बीजेपी ने शिंदे को मुख्यमंत्री पद देकर एक तीर से कई शिकार कर लिए हैं। तात्कालिक तौर पर ठाकरे परिवार जिस विक्टिम कार्ड पर सबसे ज्यादा भरोसा कर रहा था, वह लगभग बेअसर हो चुका है। बीजेपी कह सकती है कि हमने तो शिवसैनिक को ही सत्ता सौंपी है। बागी विधायकों का समूह भी उद्धव ठाकरे के पहले के बयान का हवाला देते हुए उनसे समर्थन देने की अपील कर सकता है। बाला साहब ठाकरे के हिंदुत्व को आगे ले जाने की शिंदे की घोषणा अब आम शिवसैनिकों के लिए अविश्वसनीय नहीं रह जाएगी। वह विभाग प्रमुख, जिला प्रमुख और शाखा प्रमुख के स्तर तक शिवसैनिकों को खुद से जोड़ने या दूसरे शब्दों में पार्टी संगठन पर कब्जा करने का प्रयास करेंगे। दूसरी तरफ, उद्धव भी कार्यकर्ताओं को अपने साथ बनाए रखने के लिए पूरा जोर लगाएंगे। बीजेपी की रणनीति की बात करें तो उसका मकसद राज्य में पार्टी का विस्तार है, जो हिंदुत्व की राजनीति करने वाली शिवसेना की कीमत पर ही हो सकता है। ऐसा नहीं लगता कि बीजेपी इसे लेकर बहुत जल्द आक्रामक रुख अपनाएगी क्योंकि इससे शिंदे के साथ संबंधों पर आंच आ सकती है। यह देखना होगा कि लंबी अवधि में हिंदुत्व की राजनीति के विस्तार के लिए राज्य में पार्टी क्या करती है। इससे भी बड़ी बात यह है कि महाराष्ट्र में विपक्ष के हाथ से सत्ता छीनकर बीजेपी ने अगले लोकसभा चुनाव से पहले उसे बड़ा झटका दिया है।

अबॉर्शन के साथ छिनी आजादी भी

गणेश पाण्डेय

गर्भपात पर रोक को सामान्य स्थितियों में गैरकानूनी बना देने वाले अपने ही पचास साल पुराने ऐतिहासिक फैसले को अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने पलट दिया है। 'डॉब्स बनाम जैक्सन विमिंस हेल्थ ऑर्गनाइजेशन' के मुकदमे में 4 के मुकाबले 5 न्यायाधीशों के बहुमत से सुनाए गए इस नए फैसले के बाद कई अमेरिकी राज्यों में 1973 के पहले से चले आ रहे गर्भपात विरोधी कानून फिर से प्रभावी हो गए हैं, जबकि कुछ राज्यों में गर्भपात प्रतिबंधित करने वाले कानून बनाने की प्रक्रिया जड़ से शुरू हो गई है। मोटा अनुमान है कि साल बीतने तक कुल 50 अमेरिकी राज्यों में से 26 के अस्पतालों में इस आशय की सभी सेवाएं समाप्त कर दी जाएंगी।

अमेरिकी महिलाओं के लिए गर्भपात यकीनन बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। 1970 से पहले तक आयरलैंड जैसे कैथलिक देशों की तरह अमेरिका के अधिकतर राज्यों में भी एक गर्भवती स्त्री का प्रसव तक जाना अनिवार्य था। भले इस क्रम में उसकी मृत्यु ही क्यों न हो जाए। ज्यादा साल नहीं हुए, जब आयरलैंड में नौकरी करने गए एक भारतीय पुरुष को ऐसी ही स्थितियों में अपनी पत्नी को पल-पल मरते हुए देखना पड़ा था। डॉक्टरों का कहना था कि स्त्री की जान बचाने के लिए बच्चे को अबॉर्ट करना जरूरी है। लेकिन सजा के डर से कोई आयरिश डॉक्टर न तो खुद इस काम के लिए आगे आया, न ही मरीज को घंटे भर की दूरी पर किसी ब्रिटिश अस्पताल के लिए रेफर किया, जहां एक मामूली सर्जरी से महिला की जान बच सकती थी। अमेरिका में स्त्रियां ज्यादा कामकाजी हैं। बाकी दुनिया के मुकाबले बंदिशें भी उन्होंने अपने ऊपर कम ओढ़ रखी हैं। लिहाजा वे अपने इस अधिकार के लिए लड़ीं। 1970 में दो महिला वकीलों सारा वेडिंगटन और लिंडा कॉफी ने कुछ नाकाम कोशिशों के बाद अमेरिका के दक्षिणी प्रांत टेक्सस में 21 साल की एक गर्भवती स्त्री नोर्मा मैककॉर्वी को खोज निकाला, जो चूल्हे-चौके के चक्करों में पड़ने के बजाय कुछ दिन और अपनी जिंदगी का आनंद लेना चाहती थी। गर्भपात के अधिकार के लिए यह मुकदमा उत्तरी टेक्सस जिले की जिला अदालत में चला और महिला की पहचान गुप्त रखने के लिए उसे 'जेन रो' नाम दिया गया। आम दायरों में इस जगत्प्रसिद्ध मुकदमे को 'रो बनाम वेड' शीर्षक से जाना जाता है। यहां वेड शब्द हेनरी वेड के लिए आता है, जो उत्तरी टेक्सस जिले के कड़क कंजर्वेटिव सरकारी वकील थे।

संयोगवश, तीन जजों की बेंच में एक फेमिनिस्ट महिला भी थीं और दो-एक के बहुमत से मुकदमे का फैसला 'रो' यानी गर्भपात के पक्ष में हो गया। ध्यान रहे, यह गर्भपात हुआ नहीं क्योंकि फैसले को सीधे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी गई। लोकल मुकदमा जीत चुकी जेन रो (नोर्मा मैककॉर्वी) ने एक बच्ची को जन्म दिया, जिसको किसी और जोड़े ने गोद ले लिया। लेकिन दो साल की सुनवाई के बाद 1973 में सुप्रीम कोर्ट में नौ जजों की संवैधानिक बेंच ने 2 के मुकाबले 7 के बहुमत से फैसला सुनाया कि एक स्त्री द्वारा गर्भपात कराने का फैसला उसके निजता के अधिकार के दायरे में आता है। संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान का चौदहवां संशोधन निजता के अधिकार को मनुष्य का मूलभूत अधिकार मानता है। इसी के अनुरूप अदालत ने टेक्सस राज्य के गर्भपात कानून को असंवैधानिक करार दिया और अमेरिका के जिन भी राज्यों में ऐसे कानून मौजूद थे, उन सभी को कुछ विशेष स्थितियों को छोड़कर हर मामले में गर्भपात को कानूनी मान्यता देनी पड़ी।

गर्भावस्था को उसने तीन तिमाहियों में बांटा। पहली तिमाही में इसे पूरी तरह स्त्री पर छोड़ दिया गया कि वह बच्चा रखना चाहती है या नहीं। दूसरी तिमाही में राज्यों को अधिकार दिया गया कि गर्भपात से स्त्री की जान पर खतरा होने की स्थिति में वे इसको गैरकानूनी बना सकते हैं। तीसरी तिमाही में किसी शारीरिक बाध्यता की स्थिति में ही गर्भपात कराने की इजाजत दी गई, क्योंकि यह जच्चा और बच्चा, दोनों के लिए जानलेवा हो सकता है। स्त्रियों की आजादी के लिए ऐतिहासिक बताए गए इस फैसले में एक बड़ा मोड़ 1992 में 'प्लैंड पैरंटहुड बनाम केसी' मामले में आया। वेड की तरह केसी नाम भी एक सरकारी वकील का है, लेकिन यहां मामला ज्यादा सैद्धांतिक था।

'रो बनाम वेड' में दलीलें निजता के अधिकार के इर्दगिर्द बुनी गई थीं। 1992 के मुकदमे में अदालत के सामने यह सवाल आया कि कोई स्त्री आर्थिक या सामाजिक, किसी भी कारण से अगर बच्चा पालने की स्थिति में न हो, तो उसे अपने गर्भ के बारे में फैसला लेने का अधिकार क्यों नहीं होना चाहिए? इस मामले में भी फैसला गर्भपात के पक्ष में आया और 'मेरा शरीर, मेरा अधिकार' की बात पूरी हुई। लेकिन अमेरिका में लड़कियों के माता-पिता उनके गैरजिम्मेदाराना रवैये को लेकर चिंतित रहते हैं। 18 साल की लड़की पांच गर्भपात करा चुकने के बाद दुनिया और जीवन के प्रति कितनी गंभीर हो सकती है? यहां से रूढ़िवादी पक्ष के आगे आने की जमीन तैयार होती है। तटस्थ अमेरिकी विश्लेषकों के बीच एक राय बन रही है कि डेमोक्रेट जोसफ बाइडेन ने रिपब्लिकन डॉनल्ड ट्रंप को कोरोना और अन्य कारणों से चुनाव में जैसे-तैसे हरा तो दिया, लेकिन ट्रंपिज़्म अल्ट्रा-कंजर्वेटिज़्म बाइडन-राज में और मजबूत ही हो रहा है। अकारण जनसंहार की कई घटनाओं के बावजूद पिछले हफ्ते न्यूयॉर्क प्रांत में अदालत ने एक ऐसे कानून को असंवैधानिक घोषित कर दिया, जिसके तहत कोई आग्नेयास्त्र लेकर बाहर निकलने के लिए कोई ठोस कारण बताना जरूरी था। यहां एक और पहलू पर ध्यान खींचना जरूरी है कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 'रो बनाम वेड' केस का फैसला पलटने के साथ यह बात भी जोड़ी है कि अमेरिकी संसद अगर गर्भपात को पूरी तरह कानूनी दायरे में लाना चाहती है तो इस आशय का कानून बनाए। दरअसल, अमेरिकी राजनीति की कमजोर नस यही है कि वहां दोनों पक्षों के नेता किसी को नाराज नहीं करना चाहते।

आते नहीं दिख रहे विपक्ष के अच्छे दिन

भूपेन्द्र पटेल

सियासत में बीते हफ्ते तीन बड़ी घटनाएं हुईं। पहली, महाराष्ट्र की आघाड़ी सरकार पर संकट आ गया, जो अभी जारी है। शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस सरकार बचाने के लिए संघर्ष करती दिख रही हैं। दूसरी, तीन लोकसभा और सात विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के परिणाम आए। विपक्ष को यहां भी निराशा ही हाथ लगी। तीसरी घटना यह रही कि राष्ट्रपति चुनाव के बहाने एकजुट होने की विपक्ष की कोशिश विफल हो गई। नए दलों को अपने पाले में करना तो दूर, वह अपने पुराने सहयोगियों को भी साथ नहीं रख सका। ये घटनाएं विपक्ष के हौसले को कमजोर कर सकती हैं। विपक्ष को अच्छे से मालूम है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली बीजेपी को अगर सचमुच चुनौती देनी है तो उसके नेताओं को अपने तमाम सियासी ईगो अलग रखकर एक मंच पर आना होगा। लेकिन हाल में जो संकेत मिले हैं, वे अच्छे नहीं हैं। दो राज्य महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में ये पार्टियां अधिक संघर्ष करती दिख रही हैं। हालांकि 2024 में अगर विपक्ष को बीजेपी के लिए चुनौती बनना है तो इन दोनों राज्यों में उसे हर हाल में मुकाबले में आना होगा। दोनों राज्यों को मिलाकर 128 लोकसभा सीटें हैं।

बीजेपी के लिए मुंहमांगी मुराद

पहले बात महाराष्ट्र की करें तो यहां ढाई साल तक मजबूती से चलने के बाद अचानक शिवसेना-एनसीपी-कांग्रेस की सरकार ऐसी लड़खड़ाई कि पूरी तरह बिखरती दिखाई देने लगी। इस बार शिवसेना के अंदर ही बगावत हो गई। बीजेपी को अंदाजा था कि अगर महा विकास आघाड़ी 2024 तक एकजुट रही तो उसके लिए राज्य में परेशानी खड़ी हो सकती है। ऐसे में शिवेसना का कमजोर होना बीजेपी के लिए मुंहमांगी मुराद है तो विपक्षी खेमे के लिए जबर्दस्त झटका। कांग्रेस अभी भी वहां अपनी अंदरूनी गुटबाजी को नियंत्रित करने में पूरी तरह कामयाब नहीं हुई है। शरद पवार की अगुआई में एनसीपी जरूर एकजुट दिख रही है लेकिन मौजूदा सियासी समीकरण में अकेले दम बीजेपी को वह किस हद तक चुनौती दे पाएगी, कहना मुश्किल है। ऐसे में अगले कुछ दिनों में महाराष्ट्र की राज्य सरकार का जो भी हश्र हो, गठबंधन और खासकर शिवसेना में बड़ी दरार पड़ चुकी है जो गठबंधन के लिए आगे की राह कठिन बनाएगी। इसका पहला संकेत साल के अंत में होने वाले मुंबई महानगरपालिका चुनाव में दिख सकता है। अगर शिवसेना इस चुनाव में अपना सबसे मजबूत दुर्ग बचाने में सफल नहीं रहती है तो आगे उसकी मुश्किलें बढ़ती ही जाएंगी। कुल मिलाकर महाराष्ट्र से बदलाव की बयार बहाने की विपक्ष की रणनीति अभी बेटपटरी होती दिख रही है।

उसी तरह उत्तर प्रदेश में बीजेपी ने समाजवादी पार्टी के सबसे मजबूत गढ़ से दो लोकसभा सीटें छीनकर 2024 से पहले ही खतरे की घंटी बजा दी। इस जीत के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि अगले लोकसभा चुनाव में वह राज्य की सभी 80 सीटों पर जीत दर्ज करेंगे। उनके दावे अपनी जगह, लेकिन बीजेपी ने मुस्लिम बहुल सीट पर जिस तरह जीत दर्ज की वह विपक्ष के लिए जरूर चिंता बढ़ाने वाली है। दरअसल हाल के वर्षों में प्रदेश में बीजेपी को हराने के लिए विपक्ष ने कई प्रयोग किए। अखिलेश यादव और मायावती ने आपस में हाथ मिलाया तो कांग्रेस ने अखिलेश यादव से हाथ मिलाया। लेकिन परिणाम ढाक के तीन पात ही रहे। ऐसे में महाराष्ट्र की तरह ही उत्तर प्रदेश भी ऐसा राज्य बन गया है जहां बीजेपी दिनोदिन और मजबूत ही होती दिख रही है। बाकी हिंदी पट्टी राज्यों में बीजेपी पहले ही मजबूत है। ऐसे में विपक्ष को आम चुनाव से ठीक पहले इन घटनाक्रमों के बीच संदेश मिल गया कि उसके अच्छे दिन इतनी जल्दी नहीं आने वाले।

हालात कठिन, सियासी गणित भी कमजोर

विपक्ष के लिए हालात तो कठिन हैं ही, उसके सियासी समीकरण भी कमजोर होते दिख रहे हैं। मजबूत बीजेपी से मुकाबला करने की कोशिश में जब भी वे एकजुट होने की कोशिश करते हैं, उनकी आपस की दूरी घटने के बजाय और बढ़ जाती है। राष्ट्रपति चुनाव के दौरान भी ऐसी ही तस्वीर उभरी। जहां विपक्ष इस चुनाव को 2024 से पहले एकजुट होने के लिए सेमीफाइनल मान रहा था, वहीं उसका अपना ही खेमा बिखरता हुआ नजर आने लगा। अब तक जेएमएम ने विपक्षी उम्मीदवार के समर्थन का एलान कर रखा था, मगर एनडीए प्रत्शायी की घोषणा होने के बाद वह दुविधा में पड़ गया। दूसरी ओर बीएसपी ने बिना किसी हिचक के एनडीए उम्मीदवार को समर्थन देने का एलान कर दिया। आप आदमी पार्टी भी विपक्षी उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के नामांकन के समय मौके से दूर रही। जबकि विपक्ष नवीन पटनायक, जगन रेड्डी जैसे गैर कांग्रेसी, गैर बीजेपी दलों वाले साथियों के जुड़ने की अपेक्षा कर रहा था। हां, केसीआर जरूर विपक्षी खेमे में आने के लिए तैयार हुए जो अब तक तमाम ऐसे मसलों पर अंतिम रूप से बीजेपी के साथ खड़े दिखते थे। लेकिन इसके पीछे उनकी अपने राज्य की सियासी मजबूरी अधिक थी। दूसरी तरफ बीजेपी अपने सहयोगियों को एकजुट रखने में पूरी तरह सफल रही। हाल के समय में रिश्तों में उतार-चढ़ाव के बावजूद जेडीयू बीजेपी के साथ रही तो चिराग पासवान भी मजबूती से बीजेपी के साथ दिखे, जिनके चाचा ने उनकी पार्टी को तोड़कर बीजेपी से हाथ मिला लिया था। ऐसे में राष्ट्रपति चुनाव के बहाने बीजेपी ने बिहार में अपना सियासी समीकरण बेहतर करने की भी कोशिश की।

कुल मिलाकर राष्ट्रपति चुनाव में भी विपक्ष की रणनीति कमजोर ही दिखी है। उसे पहले से पता था कि जीतने के लिए जो संख्या बल चाहिए वह बीजेपी गठबंधन के पास पहले से है। ऐसे में विपक्ष हार-जीत के चक्कर में पड़े बगैर इस चुनाव का उपयोग अपने पक्ष में नया समीकरण बनाने के लिए कर रहा था, मगर कामयाब नहीं हुआ।

उद्धव ठाकरे के साले श्रीधर पाटणकर को CBI से मिली राहत, अवैध लेन-देन के सबूत नहीं, क्लोजर रिपोर्ट फाइल

मुंबई: महाराष्ट्र में राजनीतिक उठापटक के बाद उद्धव ठाकरे ने कुछ दिनों पहले मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। दूसरी तरफ उनकी पार्टी भी टूट की कगार पर है। हालांकि इन सबके बीच उनके लिए एक सुखद खबर सामने आई है। दरअसल उनके सगे साले रश्मि ठाकरे के भाई श्रीधर पाटणकर को सीबीआई द्वारा राहत दी गई है। सीबीआई (CBI) ने विशेष अदालत में एक मामले में क्लोजर रिपोर्ट दायर की है। इस रिपोर्ट को कोर्ट ने भी स्वीकार किया है। दरअसल श्रीधर पाटणकर के खिलाफ करोड़ों रुपए के अवैध लेनदेन के मामले की जांच सीबीआई कर रही थी। इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत ईडी जांच कर रही है। ईडी ने हाल ही में हाल ही में पाटणकर की करीब 6 करोड़ की संपत्ति भी जब्त की है। ईडी (ED) ने सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट का विरोध किया था लेकिन कोर्ट ने ईडी की दलीलों को दरकिनार करते हुए सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार किया।क्या है यह मामला

साल 2016 के नवंबर महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी का ऐलान किया था। जिसकी वजह से 500 और 1000 रुपए की पुरानी नोट चलन के बाहर हो गई थी। उस दौरान अपने काले धन को सफेद करने के लिए मुंबई के कुछ नेताओं और व्यापारियों ने हवाला नेटवर्क चलाने वाले चंद्रकांत पटेल नामक व्यक्ति की मदद ली थी। उस दौरान बैंक में पुरानी नोट बदलने के लिए 40 दिनों की मोहलत दे दी गई थी। लेकिन इसके लिए ग्राहक को पैसों का लेखा-जोखा भी देना था।

फर्जी कंपनियों के जरिये ब्लैक मनी को सफेद किया गया

काले धन को सफेद करने के लिए चंद्रकांत पटेल और महेश पटेल नाम के व्यक्तियों ने हवाला नेटवर्क का इस्तेमाल किया और फर्जी कंपनियां खोली। दोनों ने कुछ राजनेताओं और व्यापारियों से तकरीबन 84 करोड़ नगद लिए। इसके बाद दिसंबर 2016 में पीहू गोल्ड और सतनाम ज्वैल्स नाम की दो सेल कंपनियों में यह 84 करोड़ रुपए की रकम जमा की गई। दोनों सेल कंपनियों के जरिए पुष्पक बुलियन कंपनी से 258 किलो सोने की खरीदारी की गई। पुष्पक बुलियन यह चंद्रकांत और महेश पटेल की ही एक कंपनी थी।जब बाजार में नए नोटों की आवक शुरू हो गई तब यह 258 किलो सोना बेचकर दोबारा शेल कंपनियों में पैसा जमा किया गया। इस तरह फर्जी कंपनियों के जरिए काले धन को सफेद बनाया गया। हालांकि जब इसकी भनक प्रवर्तन निदेशालय को लगी। तब साल 2017 में ईडी ने पुष्पक बुलियंस के खिलाफ मनी लांड्रिंग का मुकदमा दर्ज किया। जब ईडी ने मामले की जांच शुरू की तब उन्हें यह पता चला कि इन पैसों को कई दूसरे हवाला नेटवर्क के जरिए रियल एस्टेट में भी लगाया गया था।चतुर्वेदी और पाटणकर का क्या संबंध?जांच के दौरान कंस्ट्रक्शन के काम में रश्मि ठाकरे के भाई श्रीधर पाटणकर और नंदकिशोर चतुर्वेदी के बीच आर्थिक लेन-देन की बात सामने आई। पाटणकर श्री साईं बाबा गृह निर्माण प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मालिक हैं। ईडी को इस बात का शक तब हुआ। जब उन्होंने यह पाया कि चतुर्वेदी की शेल कंपनी हमसफर डीलर से 30 करोड़ रुपए बिना शर्त, कर्ज के रूप में पाटणकर को दिए गए। इन पैसों को उन्होंने अपने थाणे स्थित निलंबरी प्रोजेक्ट में इस्तेमाल किया था। जिसका मतलब यह हुआ कि इस प्रोजेक्ट में पुष्पक बुलियन के घोटाले का पैसा इस्तेमाल किया गया था। जोकि नंद किशोर चतुर्वेदी की एक फर्जी कंपनी है।लेकिन मामले की जांच कर रही सीबीआई को पाटणकर के खिलाफ किसी भी प्रकार के गैरकानूनी लेन-देन के कोई पक्के सबूत नहीं मिले। जिसकी वजह से जांच एजेंसी ने अदालत में क्लोजर रिपोर्ट दायर की और जिसे विशेष अदालत ने स्वीकार भी कर लिया।

ससुर और दामाद की जोड़ी चलाएगी विधान परिषद और विधानसभा!

मुंबई: महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष पद (Maharashtra Assembly Speaker:) के लिए होने वाले चुनाव के लिए बीजेपी (BJP) की तरफ से विधायक राहुल नार्वेकर (Rahul Narvekar) ने शुक्रवार को नामांकन दाखिल किया है। अगर चुनाव होता है, तो सरकार के पास मौजूद संख्या बल के आधार पर उनका जीतना तय है। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव निर्विरोध होने की संभावना है। विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए 3 जुलाई को चुनाव होगा।

राहुल नार्वेकर महाराष्ट्र विधानसभा के सभापति रामराजे नाइक निंबालकर के दामाद है। ऐसे में, महाराष्ट्र विधानमंडल के इतिहास में पहली बार यह संयोग बन रहा है कि महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों विधान परिषद और विधानसभा को चलाने का जिम्मा ससुर और दामाम पर होगा। फर्क सिर्फ इतना है कि रामराजे निबालकर एनसीपी के नेता हैं और राहुल नार्वेकर शिवेसना से एनसीपी होते हुए बीजेपी में आए हैं।

कौन हैं राहुल नार्वेकर?

बीजेपी विधायक राहुल नार्वेकर का शिवसेना और एनसीपी से गहरा नाता रहा हैं और वे मुंबई के कोलाबा विधानसभा क्षेत्र से एमएलए हैं। नार्वेकर एनसीपी के वरिष्ठ नेता रामराजके नाइक के दामाद भी हैं। नाइक इस वक्त महाराष्ट्र विधान परिषद के मौजूदा अध्यक्ष हैं। इससे पहले राहुल नार्वेकर शिवसेना और एनसीपी से जुड़े रहे हैं। साल 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले राहुल नार्वेकर बीजेपी में शामिल हुए थे। उन्होंने कांग्रेस के अशोक जगताप को हराकर कोलाबा से विधानसभा चुनाव जीता। राहुल नार्वेकर शुरुआती वर्षों में शिवसेना की युवा शाखा के प्रवक्ता रहे। उन्होंने 2014 में पार्टी छोड़ी और एनसीपी में शामिल हो गए। नार्वेकर ने दावा किया कि पार्टी के शीर्ष अधिकारियों (उद्धव ठाकरे) के कारण उन्हें शिवसेना छोड़नी पड़ी। राहुल नार्वेकर ने 2014 का लोकसभा चुनाव मावल से लड़ा, जिसमें उन्हें शिवसेना के श्रीरंग अप्पा बार्ने से शिकस्त मिली थी।

नार्वेकर 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले कोलाबा से भाजपा में शामिल हुए थे। उन्होंने कांग्रेस के अशोक जगताप को हराकर कोलाबा से विधानसभा चुनाव जीता।

दोपहिया पर शराब ले जाता युवक गिरफ्तार

अमरावती । गाडगेनगर थाना क्षेत्र के तहत मसानगंज निवासी रोशन वाडकर को दोपहिया क्रमांक एमएच 27- एएस 5159 पर अवैध शराब ले जाते हुए गिरफ्तार किया। उसके पास से 28 हजार रुपए कीमत की दोपहिया और 5 हजार 760 रुपए की शराब समेत कुल 33 हजार 760 रुपए का माल जब्त किया है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त डा॰ आरती सिंह के विशेष दल के सूरज चव्हाण, राजिक रायलीवाले, निखिल गेडाम, सुभाष पाटिल, जहीर शेख,रणजीत गावंडे, रोशन वरहाड़े आदि ने की है।

गौमांस की बिक्री करते आरोपी रंगेहाथ धराया

शेंदुरजना घाट(अमरावती)। गौ हत्या प्रतिबंधित रहने के पश्चात आज भी नियमों का उल्लंघन जारी है। ऐसे ही मलकापुर में गौमांस की बिक्री की जा रही थी। शेंदुरजना घाट पुलिस ने छापामार कार्रवाई कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से 67 किलो गौमांस बरामद किया गया है। जानकारी के मुताबिक मलकापुर के कुरेशीपुरा निवासी मोबिन रहमान गुलाम रसूल आरोपी बताया गया है। पुलिस को गोपनीय जानकारी मिलते ही शुक्रवार की सुबह मोबिन रहमान के घर पर छापामार कार्रवाई की गई। तलाशी लेने पर घर से बड़े पैमाने पर 67 किलो गौमांस बरामद किया गया। जिसकी कीमत 13 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ शेंदुरजना घाट पुलिस थाने में मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई थानेदार सतीश इंगले के मार्गदर्शन में देवीदास उईके, कुंदन मुधोलकर, रत्नदीप वानखडे, लक्ष्मण साने, नीलेश वासनकर, स्वप्निल बायस्कर द्वारा की गई है।

महाराष्ट्र में अब होम गार्ड को भी मिलेगा 50 लाख रुपए का मेडिकल इंश्योरेंस

मुंबई: अभी तक पुलिस वालों को मेडिकल इंश्योरेंस मिलता था। लेकिन होम गार्ड्स के लिए यह सुविधा नहीं थी। अब होम गार्ड्स को भी 50 लाख रुपए से ऊपर का मेडिकल इंश्योरेंस मिलेगा। होम गार्ड्स के डीजी डॉक्टर भूषण उपाध्याय ने शुक्रवार को एनबीटी को बताया, 'कई कैटिगरी बनाई गई हैं। यदि किसी होम गार्ड की किसी वजह से मृत्यु हो जाती है, तो उसके परिवार को 50 लाख रुपये बीमा की रकम मिलेगी। इसके अलावा, परिवार को 20 लाख रुपए अन्य मानदेय के रूप में और चार लाख रुपए बच्चों की शिक्षा के लिए अलग से मिलेंगे। किसी वजह से स्थाई रूप से विकलांग होने पर होम गार्ड को 50 लाख रुपए मेडिकल बीमे के रूप में मिलेंगे। इलाज के लिए 10 लाख रुपए का मेडिकल इंश्योरेंस होगा।' उन्होंने आगे बताया कि इसके लिए महाराष्ट्र पुलिस ने एचडीएफसी बैंक से अग्रीमेंट किया है। इसमें होम गार्ड्स या सरकार को एक रुप की भी रकम प्रीमियम के रूप में बैंक में जमा नहीं करानी होगी। बैंक में होम गार्ड का खाता होना काफी होगा। पुलिस की तरह स्थायी नौकरी न होने के कारण होम गार्ड्स को अभी तक ये सुविधाएं नहीं मिलती थीं।

शिंदे शिवसेना के मुख्यमंत्री नहीं: ठाकरे

मुंबई। मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद शुक्रवार को दादर स्थित शिवसेना भवन पहुंचे उद्धव ठाकरे ने एकनाथ शिंदे को शिवसेना का मुख्यमंत्री मानने से इंकार कर दिया। एक प्रेस कांफ्रेंस में ठाकरे ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अगर वादा निभाया होता तो आज महाराष्ट्र में भाजपा का मुख्यमंत्री होता और महाविकास आघाड़ी बनने की नौबत नहीं आती। ठाकरे ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार से आरे कॉलोनी में मेट्रो -3 कार शेड परियोजना के साथ आगे नहीं बढ़ने की भी अपील की। गुरुवार को हुई मंत्रिमंडल की पहली बैठक में, शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य प्रशासन को कांजुरमार्ग के बजाय आरे कॉलोनी में मेट्रो -3 कार शेड बनाने का प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार ने प्रस्तावित कार शेड स्थल को आरे कॉलोनी से कांजुरमार्ग में स्थानांतरित कर दिया था, लेकिन यह फैसला कानूनी विवाद में फंस गया था। ठाकरे ने भाजपा से पूछा कि उसने पहले क्यों इंकार किया कि ढाई साल पहले बारी-बारी से मुख्यमंत्री पद लिए जाने के संबंध में कोई समझौता नहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा मानती तो सत्ता परिवर्तन शालीनता और गरिमापूर्ण ढंग से होता। उन्होंने यह भी पूछा कि भाजपा को इससे क्या हासिल हुआ जब उसके पास बाकी कार्यकाल के लिए भी अपना मुख्यमंत्री नहीं है।

रिश्वतखोर सह संचालक के घर से 36 लाख नकद जब्त

अमरावती। प्राध्यापक का वेतन तय करने आदि काम के लिए 30 हजार रुपए की रिश्वत मांगने वाले उच्च शिक्षा के सह संचालक डॉ. मुरलीधर वाडेकर के घर की अलमारी से 36.80 लाख रुपए बरामद हुए हैं जिसमें 500 और 2 हजार के नोट थे। एंटी करप्शन ब्यूरो की देर रात तक चली कार्रवाई के बाद सारा पैसा जब्त कर लिया। जांच के दौरान 5 लाख रुपए के सोने के आभूषण भी मिले थे जो एसीबी ने जांच के बाद उन्हें वापस सौंप दिए। एसीबी सभी एंगल से जांच कर रही है। आरोपी की पत्नी मेडिकल उपकरण बेचने का काम करती है। इसके साथ ही एसीबी रिश्वतखोर सह संचालक की संपत्ति की जानकारी जुटाने में लग गई है। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को एसीबी के दल ने मालटेकड़ी के निकट उच्च शिक्षा अमरावती विभाग के कार्यालय में जाल बिछाकर उच्च शिक्षा सहसंचालक डॉ. मुरलीधर वाडेकर को हिरासत में लिया था। शिकायतकर्ता ने सहायक प्राध्यापक पद के लिए साक्षात्कार दिया था। इसके बाद सहायक प्राध्यापक पद के लिए वेतन तय करने व सहयोगी प्राध्यापक पद का प्रस्ताव मंजूर करने के लिए 30 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। रिश्वत मांगने की शिकायत 29 जून को एंटी करप्शन विभाग कार्यालय को प्राप्त हुई थी। जिसके बाद आरोपी डॉ. वाडेकर को एसीबी के दल ने रिश्वत लेते रंगेहाथों पकड़ लिया। यह कार्रवाई एसीबी के पुलिस अधीक्षक विशाल गायकवाड, अपर पुलिस अधीक्षक अरुण सावंत, पुलिस उप अधीक्षक संजय महाजन के मार्गदर्शन में की गई।

बरसाती बिमारी रोकने के लिए मनपा का एक्शन प्लान तैयार

मुंबई। बारिश शुरू होते ही मुंबई में बरसाती बीमारियों से पीड़ित मरीजों की भरमार होती है। मनपा की लाख कोशिशों के बावजूद बरसाती बीमारियों से निपटने में मनपा फेल होती है। मनपा हर साल मलेरिया मच्छर की पैदावार के स्थानों पर रोक लगाने से लेकर दवाइयों का छिड़काव किया जाता है।इसके बावजूद मरीजों की संख्या में हर साल बढ़ोत्तरी होती है। मनपा इसी के चलते बरसाती बीमारियों से निपटने के लिए मुंबई में होने वाली पानी सप्लाई में दूषित पानी से भी बीमारी फैलती है मनपा इसके रोकथाम के लिए मनपा 200 जगहों का पानी का नमूना लेने का निर्णय लिया है जिससे दूषित पानी की सप्लाई पर रोक लगाने से लेकर ऐसे जगहों पर लोगो को बरसाती बीमारी न हो इसके लिए स्थानीय लोगो को औषध देकर उन्हें बीमारी से बचने का रोक लगेगी। साथ ही जिन इलाकों में मलेरिया, गैस्ट्रो, पीलिया और डेंगू बढ़ रहा है, वहां जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। मनपा विभिन्न अस्पतालों में महामारी की स्थिति में समय पर इलाज के लिए डेढ़ हजार बेड को शुरू किया जायेगा और जरूरत पड़ने पर बेड की संख्या बढ़ाई जाएगी इस तरह की जनकारी मनपा की स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मंगला गोमारे ने दी। मनपा का स्वास्थ्य विभाग मलेरिया, लेप्टो, गैस्ट्रो, पीलिया, डेंगू, मलेरिया और स्वाइन फ्लू पर नियंत्रण के लिए तैयार है। दूषित पानी से पीलिया होने का खतरा रहता है इसके लिए पूरे मुंबई से प्रतिदिन 200 पानी के नमूने एकत्र किए जा रहे हैं और उन्हें परीक्षण के लिए कस्तूरबा अस्पताल की प्रयोगशाला में भेजा जाएगा. साथ ही दूषित पानी की सूचना मिलने पर क्षेत्र से पानी के नमूने लिए जाएंगे ।मलेरिया रोगियों का पता लगाने के लिए रक्त परीक्षण किए जा रहे हैं और कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि मलेरिया, गैस्ट्रो, पीलिया और डेंगू से पीड़ित मरीजों के समय पर इलाज के लिए दवाओं का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराया गया है.

उबला और छना हुआ पानी पिएं!

मानसून के दौरान बीमारियों के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा उचित सावधानी बरती गई है। उबला और छना हुआ पानी पीने, इलाके में पानी जमा न होने देने और इलाके को साफ रखने की अपील की है. बैनर, होर्डिंग्स के माध्यम से जागरूकता! मनपा के 24 वार्डों में बैनर, होर्डिंग व पोस्टर के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है.

शिंदे को मुख्यमंत्री पद देकर बीजेपी ने खेला दांव: पृथ्वीराज चव्हाण

मुंबई: महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने राज्य के राजनीतिक हालात पर टिप्पणी की. देवेंद्र फडणवीस से कहा गया कि मुख्यमंत्री पद के संबंध में फैसला दिल्ली के गणमान्य लोगों को अचानक लेना चाहिए था। पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस केंद्रीय नेतृत्व के फैसले से स्तब्ध हैं। चव्हाण ने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद पर फैसला दिल्ली में हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी के एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया गया है और एक पत्थर से तीन-चार पक्षियों को मारने की कोशिश की गई है।

एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री पद देकर बीजेपी ने क्या हासिल किया?

पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री पद देने के पीछे भाजपा की तीन से चार पारियां हैं। बीजेपी की पहली पारी शिवसेना को खत्म करने की होगी. ठाकरे परिवार को तबाह करना चाहते थे, वह शिवसेना को ठाकरे के हाथ से हटाना चाहते थे। इसका फायदा बीजेपी को मुंबई नगर निगम चुनाव में मिलेगा. पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि कहा जाता है कि बीजेपी को बहुमत मिलेगा लेकिन वह मुंबई नगर निगम में बीजेपी को जीतने नहीं देगी. पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि भाजपा ने एकनाथ शिंदे के रूप में मराठा समुदाय के नेताओं को मुख्यमंत्री का पद देकर जातिगत समीकरण हासिल किया है।

देवेंद्र फडणवीस के साथियों का उत्साह

पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि ब्रेक बीजेपी (BJP) के केंद्रीय नेतृत्व को देना चाहिए था ताकि यह सवाल ही न उठे कि सब कुछ देवेंद्र फडणवीस को दिया गया है. देवेंद्र फडणवीस को जूनियर मैन के अधीन काम करना होगा। नड्डा के पहले संबोधन में देवेंद्र फडणवीस की उपमुख्यमंत्री के रूप में नियुक्ति का जिक्र नहीं था। आरएसएस के हस्तक्षेप के बाद नरेंद्र मोदी, अमित शाह, जे.पी. पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि नड्डा ने देवेंद्र फडणवीस को उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार करने का आदेश दिया। पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि जब देवेंद्र फडणवीस का नेतृत्व उभर रहा था तो यह फैसला दुर्भाग्यपूर्ण था। चव्हाण ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस के साथियों का अति उत्साह भी एक कारण है। फडणवीस को बिहार में जीत के मूर्तिकार, गोवा में जीत के मूर्तिकार के रूप में पेश किया गया था। उनके अगले प्रधानमंत्री बनने की अफवाह थी। भाजपा में व्यक्तिवाद के लिए कोई जगह नहीं है। पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि यह नियम सिर्फ देवेंद्र फडणवीस के लिए ही नहीं बल्कि दूसरों के लिए भी है, इसलिए देवेंद्र फडणवीस को उपमुख्यमंत्री का पद दिया जाना चाहिए था।

प्रतिबंधित रहेंगे एकनाथ शिंदे

पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि एकनाथ शिंदे को कैबिनेट में प्रतिबंधित किया जाएगा। शिंदे को मुख्यमंत्री पद दिए जाने से साथी विधायकों को कैबिनेट में जगह दिए जाने पर नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है. पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि अगर एकनाथ शिंदे के लिए कोई समस्या है, तो उन्हें इसका ध्यान रखना चाहिए।

बदलने की जरूरत नहीं है

इस्तीफे के अगले दिन उद्धव ठाकरे उनसे मिलने गए थे। पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि हमने उद्धव ठाकरे से कहा है कि निराश न हों, कमजोर न हों, संघर्ष करें. हम राज्यपाल को शपथ नहीं लेने के लिए कहने जा रहे थे। हालांकि, पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री होंगे, यह महसूस करने के बाद हमने अपना फैसला बदल दिया।

मुंबई में पहली बारिश में ही खुल गई बीएमसी की पोल

मुंबई: लगातार दो दिनों से हो रही भारी बारिश (rain) ने मुंबई में बारिश से निपटने की बीएमसी (BMC) की तैयारी की पोल खोल कर रख दी है। हर साल की तरह इस साल भी पहली ही बारिश में मुंबई के लगभग सभी इलाकों में लोगों को जलजमाव की स्थिति का सामना करना पड़ा है। सड़कों पर घुटनों तक पानी जमा हो गया जिससे लोगों को ट्रैफिक जाम की स्थिति का सामना करना पड़ा। जगह- जगह जलजमाव, सड़क पर पानी और नालों में कचरों का उफान बीएमसी के दावे पर सवाल खड़ा करता है। जिसमें बीएमसी ने दावा किया था कि मुंबई में नालों की सफाई 110 प्रतिशत से अधिक हुई है। हिंदमाता एवं गांधी मार्केट में लगातार दूसरे दिन पानी लग गया। शुक्रवार को अतिरिक्त आयुक्त पी वेलरासू ने गांधी मार्केट जाकर स्थिति का जायजा लिया। हिंदमाता में जमीन के नीचे पानी की टंकी बनाने के बावजूद वहां जलजमाव की स्थिति बनी रही। जिससे आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। पहली ही बारिश में मुंबई का हाल बेहाल होता देख बीजेपी विधायक आशीष शेलार ने दोपहर में बीएमसी मुख्यालय स्थित डिजास्टर कंट्रोल रूम का दौरा किया।

महत्वपूर्ण डिग्री या ज्ञान क्या है?

एक समय था जब लोगों को उनकी डिग्री के आधार पर नौकरी के लिए नियुक्त किया जाता था। लेकिन, आजकल डिग्री होना सफलता की गारंटी नहीं रह गया है। मान लीजिए कि आप नौकरी की तलाश कर रहे हैं, इसके लिए आपका पहला कदम अपना रेज़्यूमे जमा करना होगा और आपके रेज़्यूमे के आधार पर, आपको कॉल मिलेगा। फिर, क्या वे आपको रिज़्यूमे में उल्लिखित डिग्री के आधार पर आपको ज्वाइनिंग लेटर देते हैं? नहीं, वे नहीं करते। अपना बायोडाटा हाथ में होने के बावजूद, आपको साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। तो, वे साक्षात्कार दौर के लिए क्यों बुलाते हैं? क्या आपकी डिग्री उस विशेष नौकरी के पद के लिए आपके लिए पर्याप्त नहीं है? आपको क्या लगता है, ऐसा क्यों है? क्योंकि ज्ञान भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

ज्ञान किसी चीज की सैद्धांतिक या व्यावहारिक समझ जैसे तथ्यों, कौशल, शिक्षा या अनुभव के माध्यम से प्राप्त की गई जानकारी है। थोड़ा सा कागज किसी के ज्ञान का निर्धारण नहीं कर सकता। एक डिग्री की सीमा यह है कि यह साबित नहीं करता है कि आपके पास ज्ञान है। इसलिए, नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को साक्षात्कार के दौर से गुजरना पड़ता है। यह ज्ञान ही है जो व्यक्ति को उसके जीवन में ऊपर उठाता है। ज्ञान वह है जो आपको लंबे समय में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करता है। ज्ञान के बिना कोई पहला कदम उठा सकता है, लेकिन लंबे समय में, यह किसी व्यक्ति के लिए फलदायी नहीं होगा। मान लीजिए कि आपको अपनी डिग्री के आधार पर नौकरी के लिए चुना गया है, लेकिन आपको ज्यादा ज्ञान नहीं है, तो क्या आप अपनी नौकरी जारी रख पाएंगे? ज्ञान के बिना कोई भी जीवन में सफल नहीं हो सकता, यहां तक कि सबसे सफल व्यक्ति- एलोन मस्क, बिल गेट्स, स्टीव जॉब्स, जेफ बेजोस के पास कोई डिग्री या प्रमाण पत्र नहीं है, हालांकि वे सफल व्यक्तित्व हैं।

Google जैसी कुछ बड़ी कंपनियां ऐसे लोगों से भिड़ती रही हैं, जिनके पास औपचारिक शिक्षा भी नहीं है, लेकिन भारत में अभी भी ऐसा नहीं है। भारत में, हम अभी भी देखते हैं कि कंपनियों को विशिष्ट रिक्तियों के लिए आवेदन करने के लिए एक विशेष डिग्री या समकक्ष की आवश्यकता होती है, मुख्य रूप से आवेदकों की संख्या को सीमित करने के लिए।

एक डिग्री के साथ साक्षात्कार के अवसर मिल सकते हैं, लेकिन यह आपको इसे पास करने में मदद नहीं करता है।

बिना ज्ञान के डिग्री और कुछ नहीं बल्कि एक कागज का टुकड़ा है। ज्ञान होने का मतलब यह नहीं है कि आपके पास डिग्री है बल्कि आप निश्चित रूप से एक सफल व्यक्तित्व होंगे। डिग्री का अपना महत्व है क्योंकि आज हम एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं जहां हमें खुद को साबित करने की जरूरत है। करियर शुरू करने के लिए कई बार डिग्री की जरूरत पड़ती है। तो, डिग्री आपके लिए शुरू करने के लिए पहला कदम हो सकता है, ज्ञान में समय लगता है लेकिन आखिरकार, यह आपको अंतिम मंजिल तक ले जाएगा। डिग्री हमें ज्ञान और सूचना के बीच अंतर करने के लिए बनाती है, दूसरी तरफ, ज्ञान हमें ज्ञान देता है और हमें सही या गलत के बीच अंतर करने के लिए बनाता है।

क्या आपकी भी है नाखून चबाने की आदत? तुरंत छोड़ दें वरना मुंह से लेकर पेट तक की हो सकती हैं कई समस्याएं

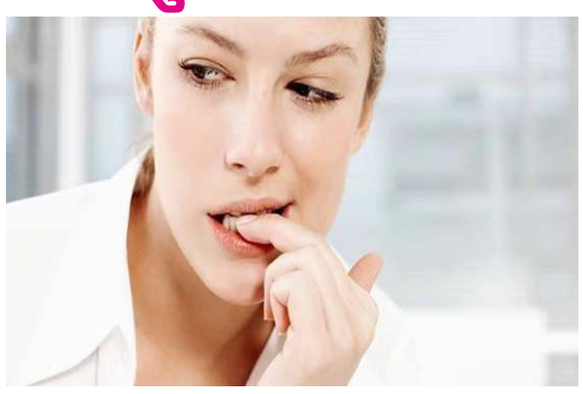

आपने अक्सर अपने आसपास के लोगों को नाखून चबाते हुए देखा होगा, सामान्यतौर पर माना जाता है कि जब हम परेशान होते हैं तो इससे मनोवैज्ञानिक तौर पर बचाव के लिए नाखून चबाने लगते हैं। हालांकि कुछ लोगों में समय के साथ यह आदत बन जाती है। क्या आप भी इस आदत के शिकार हैं?

वैसे तो नाखून चबाने को बहुत ही सामान्य माना जाता है, पर स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस आदत के कई दुष्परिणामों के बारे में सचेत करते हैं। विशेषज्ञ कहते हैं, नाखून चबाने की आदत शरीर में कई तरह की समस्याओं का भी कारण बन सकती है। डॉक्टर्स कहते हैं, नाखून चबाना एक बुरी आदत है जो अक्सर जीवन में तनाव या ऊब की प्रतिक्रिया के रूप में या कभी-कभी घबराहट की प्रतिक्रिया के रूप में शुरू होती है। अनुमान है कि लगभग 30% वयस्कों में समय के साथ नाखूनों को कुतरते रहने की आदत बन जाती है। हालांकि संभवतः हम इस बात से अनजान होते हैं कि नाखून चबाने से दांतों और मौखिक स्वास्थ्य पर कई तरह के दुष्प्रभावों का जोखिम भी हो सकता है। आइए इससे होने वाले नुकसान के बारे में जानते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

मौखिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, नाखून हमारे शरीर के उन हिस्सों में से एक हैं जहाँ बहुत सारे कीटाणु और बैक्टीरिया पाए जाते हैं। जब कोई मुंह में अपनी उंगली डालता है या फिर नाखूनों को चबाता है, तो इन जीवाणुओं के शरीर में प्रवेश करने का जोखिम बढ़ जाता है। ये पेट, मुंह में कई प्रकार के संक्रमण और कुछ स्थितियों में गंभीर बीमारियों का कारण भी बन सकता है। विशेषरूप से बच्चों में नाखून चबाने के कारण पेट के संक्रमण की समस्या काफी आम है।

मौखिक स्वास्थ्य पर असर

नाखून चबाने से दांतों और मसूड़ों पर कई तरह से नकारात्मक प्रभाव हो सकता है। इससे मसूड़ों के ऊतकों को नुकसान, दांतों और मुंह में नाखूनों में छिपे बैक्टीरिया के पहुंचने से टूथ ग्राइंडिंग जैसे समस्याएं हो सकती हैं। इस आदत को दांतों के लिए भी काफी नुकसानदायक माना जाता है।

नाखूनों को चबाते रहने की आदत बैड ओरल हाइजीन का कारण बनती है जिससे मसूड़ों में संक्रमण का खतरा हो सकता है।

इन स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में भी जानिए

नाखून चबाते रहने की आदत इस तरह की समस्याओं का भी कारण बन सकती है जिसको लेकर सभी लोगों को सावधान रहने की आवश्यकता होती है।

आपके नाखूनों के आसपास की त्वचा में संक्रमण हो सकता है। उन ऊतक को नुकसान पहुंचता है जो आपके नाखून बढ़ाते हैं।

नाखूनों के बनावट में परिवर्तन आ सकता है।

मुंह में गंदी उंगलियां डालने से जुकाम और अन्य संक्रामक बीमारियां हो सकती हैं।

नाखून चबाने से आपके दांतों को नुकसान हो सकता है।

इन बातों का रखें ख्याल

यदि आप नाखून चबाने की आदत से परेशान हैं तो इस बारे में अपने चिकित्सक या मानसिक स्वास्थ्य प्रदाता से परामर्श लें। ये उपाय भी आपके लिए मददगार हैं।

उन कारकों से बचें जो नाखून काटने को ट्रिगर करते हैं जैसे कि अतिउत्तेजना, घबराहट या चिंता।

अपने नाखूनों को छोटा रखें।

मीट खाने वाले बच्चों में मोटापे का खतरा:रिसर्च- नॉन वेजिटेरियन बच्चों के मुकाबले वेजिटेरियन बच्चों में वजन कम रहने की आशंका 94% तक

मांसाहारी बच्चों की तुलना में शाकाहारी बच्चों का वजन आधे से कम तक हो सकता है। 2 से 5 साल तक के बच्चों पर की गई स्टडी में खानपान की वजह से ऐसा होने की संभावना बताई गई है। टोरंटो के सेंट मिशेल्स हॉस्पिटल की अगुवाई में किए गए एक शोध में यह खुलासा हुआ है।

मांसाहारी और शाकाहारी बच्चों में पोषण लगभग बराबर

रिसर्चर्स ने 9 हजार बच्चों को शोध में शामिल किया। इसमें कुल 250 शाकाहारी बच्चों को शामिल किया गया। इन बच्चों की लंबाई, बॉडी मास इंडेक्स (BMI) और पोषण लगभग मांस खाने वाले बच्चों के ही बराबर था। लेकिन जब इनके BMI की गणना की गई, तो पता चला कि शाकाहारी बच्चों में वजन कम रहने की संभावना 94% तक है।

शाकाहारी बच्चों के अंडरवेट होने की संभावना ज्यादा

रिसर्च में 8,700 मांसाहारी बच्चों में से 78% बच्चों का वजन उम्र के हिसाब से सही निकला। शाकाहारी बच्चों में सही वजन वाले 79% बच्चे थे। जब उम्र के हिसाब से कम वजन वाले बच्चों को देखा गया तो मांसाहारी में सिर्फ 3% ही अंडरवेट मिले। ऐसे शाकाहारी बच्चों की संख्या 6% निकली। इसी आधार पर वैज्ञानिकों ने बताया कि शाकाहारी बच्चों के अंडरवेट होने की संभावना ज्यादा होती है।

मांसाहारी बच्चे हो सकते हैं ओवरवेट

शोध में यह भी पाया गया कि मीट खाने वाले बच्चों में मोटापा बढ़ने का खतरा ज्यादा रहता है। वैज्ञानिकों ने इसके लिए एक वजह शाकाहारी खाने में बच्चों के विकास के जरूरी न्यूट्रिएंट्स नहीं होने को माना है। साथ ही यह बात भी जोड़ी है कि एशिया के बच्चे ज्यादातर शाकाहारी होते हैं। इससे संभावना रहती है कि उनका वजन कम हो।

भारत में बच्चों के विकास का पैमाना अलग

स्टडी में शामिल बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. जोनाथन मैगुरी ने बताया कि भारत व अमेरिका में बच्चों के विकास का पैमाना अलग है। भारत में 5 साल की लड़की का वजन 17 किलो, लंबाई 108 सेंटीमीटर होना चाहिए। वहीं, अमेरिका में वजन 18 किलो होना चाहिए। ऐसे में स्टडी में शाकाहारी बच्चों के ज्यादातर एशिया से होने से उनके वजन को लेकर यह नतीजे निकले।

फलों का इस तरह से सेवन पाचन को पहुंचाता है गंभीर नुकसान, कहीं आप भी तो नहीं करते हैं ये गलतियां?

शरीर के बेहतर स्वास्थ्य के लिए सभी लोगों को नियमित रूप से स्वस्थ और पौष्टिक आहार के सेवन की सलाह दी जाती रही है। इसके लिए भोजन में हरी सब्जियों और मौसमी फलों को शामिल करना बहुत आवश्यक माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, इनसे शरीर के लिए आवश्यक अधिकतर पोषक तत्वों की आसानी से पूर्ति की जा सकती है। विशेषकर फलों में कई प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जिनका सेवन करना आपको गंभीर रोगों के जोखिम से बचा सकता है।

पर क्या आपजानते हैं कि फलों और सब्जियों का कुछ स्थितियों में सेवन शरीर के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है, विशेषकर अगर आप अलग-अलग प्रकृति के फलों का सेवन साथ में करते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, फलों और सब्जियों से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए इनके सेवन के सही तरीके के बारे में जान लेना सभी लोगों के लिए बहुत आवश्यक हो जाता है। कुछ फलों को एक साथ नहीं खाना चाहिए, इससे कई तरह की समस्याओं का जोखिम हो सकता है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए सभी लोगों को यह जानना बहुत जरूरी है कि किन फलों का संयोजन शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है? आइए इस बारे में आगे विस्तार से समझते हैं।

फलों-सब्जियों का एक साथ सेवन न करें

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आमतौर पर बोलचाल की भाषा में फलों-सब्जियों के सेवन की बात की जाती रही है, हालांकि इनका साथ में सेवन करना नुकसानदायक हो सकता है। फलों में मौजूद शुगर की मात्रा सब्जियों की पाचन प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न कर सकती है। इससे न तो सब्जियों का ठीक तरीके से पाचन हो पाता है न ही शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त हो पाते हैं। हमेशा फलों और सब्जियों के सेवन के बीच में कुछ समय का अंतर जरूर रखें।

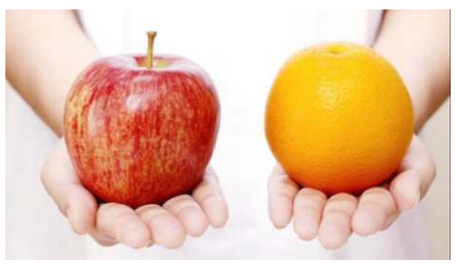

तरबूज के साथ न खाएं कोई और फल

आहार विशेषज्ञ बताते हैं, तरबूज-खरबूजे के साथ किसी और फल के सेवन से बचना चाहिए। इन फलों में पानी की अधिकता होती है, इसलिए इनके साथ किसी दूसरे फल का सेवन करने से उनका पाचन प्रभावित हो सकता है।

तरबूज-खरबूज अन्य फलों की तुलना में अधिक तेजी से पचते हैं। फलों से अधिकतम लाभ तभी प्राप्त किया जा सकता है जब उनका पाचन सही तरीके से हो।

स्टार्चयुक्त फलों के साथ न करें प्रोटीनयुक्त फलों का सेवन

केला जैसे फल प्रकृति में स्टार्चयुक्त होते हैं, इनका सेवन अमरूद, सूखे खुबानी, कीवीफ्रूट, एवोकैडो और ब्लैकबेरी जैसे प्रोटीन युक्त फलों के साथ नहीं किया जाना चाहिए। शरीर को प्रोटीन को पचाने के लिए एक अम्लीय आधार और स्टार्च और स्टार्च के लिए क्षारीय तत्वों की आवश्यकता होती है, इनका संयोजन पेट से संबंधित कई तरह की समस्याओं का कारण बन सकता है। हमेशा फलों के संयोजन को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : इस सप्ताह आपके अधिकांश कार्य पूरे होने की स्थिति बनेगी। नया कार्य व्यवसाय प्रारंभ करेंगे। जॉब में भी पिछले सप्ताहों के मुकाबले राहत रहेगी। इससे आपके आत्मविश्वास और ऊर्जा में बढ़ोतरी होगी। पारिवारिक स्थिति इस सप्ताह अच्छी रहेगी। किसी महत्वपूर्ण काम में परिजनों का सहयोग मिलेगा।

वृषभ : अपने कार्यों को पूरा करने के लिए श्रम की आवश्यकता अधिक रहेगी। भागदौड़ भी ज्यादा करना पड़ेगी। नौकरीपेशा लोगों को बॉस से थोड़ी परेशानी हो सकती है। अधीनस्थों का सहयोग कम मिलेगा। बिजनेस से जुड़े लोगों को उतार-चढ़ाव देखना होंगे। नया काम शुरू करना चाहते हैं तो कर सकते हैं लेकिन मनमुताबिक सफलता अभी नहीं मिलेगी।

मिथुन : पुराने पैसों के लौटने की स्थिति बनेगी। प्रॉपर्टी संबंधी कार्य बनने लगेंगे। पैतृक संपत्ति का बंटवारा होगा। माता-पिता का सहयोग मिलेगा, लेकिन भाई-बंधुओं से अनबन रहेगी। आर्थिक मामलों में किसी पर भरोसा ना करें। निवेश करना चाहते हैं तो कर सकते हैं, लेकिन पहले सारे पक्ष अच्छी तरह समझ लें।

कर्क : इस सप्ताह के सितारे आपको कोई अच्छी खबर देने वाले हैं, जो आपके भविष्य निर्माण में सहायक होगी। आपके कार्य को गति मिलेगी और जो चाहेंगे वो करने में कामयाब होंगे बशर्ते खुद पर भरोसा रखें। मानसिक शांति होने से आप अपने काम पर फोकस कर पाएंगे। यह सप्ताह आर्थिक सफलताएं देने वाला साबित होगा।

सिंह : आपको पारिवारिक समागम में शामिल होने का अवसर आएगा। किसी विशेष शुभ कार्य में जाने का अवसर आएगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य इस सप्ताह बेहतर रहेगा। पुराने रोग भी दूर हो जाएंगे। आपके अटके हुए कार्य हो जाएंगे। खासकर कहीं निवेश या प्रॉपर्टी संबंधी कार्य सुगमता से निपट जाएंगे।

कन्या : आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार आएगा। जो परेशानियां आपने झेली हैं वे दूर होंगी। अविवाहितों के विवाह की बात बन जाएगी। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे। धन का आगमन सुगमता से होगा। नए स्टार्टअप के लिए सप्ताह शुभ है। जल्द काम शुरू करें। नौकरीपेशा लोगों को काम की अधिकता जरूर रहेगी लेकिन काम की सराहना भी मिलेगी।

तुला : आपके भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। किसी विशेष प्रिय व्यक्ति से मुलाकात होने पर मन प्रसन्न रहेगा। भोग विलास के कार्यों में वक्त बीतेगा। किसी भी काम को करने के लिए अधिक मेहनत की जरूरत नहीं पड़ेगी। कार्य-व्यवसाय में सफलता और तरक्की मिलेगी। धन का आगमन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक : आपको वाहन मशीनरी का प्रयोग करते वक्त सावधानी रखना है, किसी प्रकार की चोट लगने की आशंका है। नेत्र रोग परेशान करेंगे और इस सप्ताह बीमारियों पर खर्च भी अधिक करना होगा। इससे मानसिक परेशानी महसूस होगी। कार्य स्थल पर आपके धैर्य की परीक्षा होगी। अधीनस्थ आपकी बात नहीं मानेंगे।

धनु : यह पूरा सप्ताह संकटपूर्ण बीतने के आसार नजर आ रहे हैं। आपके काम चलते-चलते अटक जाएंगे। कोई भी काम पूरा नहीं होगा। इसलिए बेहतर होगा कि इस सप्ताह कोई नया काम शुरू करने से बचें। जो जैसा चल रहा है उसे चलने दें। नौकरी में भी धैर्य से काम लें, वरना स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर : आपके रूके हुए कार्यों को इस सप्ताह गति मिलेगी। धन का आगमन अच्छा होगा। निवेश से लाभ होगा और प्रॉपर्टी के काम होंगे। पारिवारिक स्थिति सुखद रहेगी और सभी का सहयोग मिलेगा। कार्य व्यवसाय के लिहाज से सप्ताह शुभ है। कोई नया काम करना चाहें तो कर सकते हैं। साझेदारी में किए गए काम से लाभ मिलेगा।

कुंभ : आपके लिए कुछ नई संभावनाएं, नए अवसर सामने आने वाले हैं। खासकर कुछ ऐसे काम होंगे जिनकी आप बरसों से प्रतीक्षा कर रहे हैं। अचानक कहीं से बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होगी। कार्य-व्यवसाय की सारी बाधाएं दूर हो जाएगी। घर परिवार में नया वाहन संपत्ति आएंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

मीन : इस सप्ताह किसी खास व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी जो आपके भविष्य में काम आएगी। आर्थिक मोर्चे पर सफलता पाएंगे। पुराना फंसा हुआ पैसा मिलने के चांस हैं। किसी कार्य व्यवसाय में नया निवेश करेंगे। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। पिछले कुछ दिनों से स्वास्थ्य को लेकर जो परेशानी चल रही थी वह दूर हो जाएगी।

पतिः लॉकडाउन में तुमने क्या खोया और क्या पाया?...पत्नीः कामवाली खोई और कामवाला पाया।

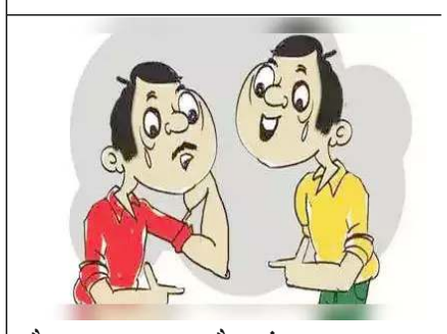

कैसा समय आ गया है जहां एक मुलाकात में ही शादी फिक्स हो जाती है लेकिन.....2-3 राउंड इंटरव्यू देने के बाद भी नौकरी नहीं मिलती।

जिसने गाड़ी खरीदी है, वह पेट्रोल भी खरीद लेगा.....परेशान वे हैं जिन्हें गाड़ी दहेज में मिली है।

बॉलीवुड में सिंगर अल्ताफ सैय्यद के बढ़ते कदम, जड़ों से जुड़े कम्पोज़र की अद्भुत जर्नी

अल्ताफ सैय्यद बॉलीवुड के विख्यात संगीतकार और सिंगर के रूप में जाने जाते हैं। हाल ही में उनका कम्पोज़ किया और गाया हुआ गीत "बनके बारिश" रिलीज़ हुआ है, जिसमे निकिता डोबरियाल व डैशिंग स्टार जीत राय दत्त की रोमांटिक जोड़ी नजर आ रही है। इस सांग को दर्शको द्वारा खूब अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। म्युज़िक लेबल सांग्स बास्केट द्वारा रिलीज इस सांग को नरेन गेडिया फिल्म्स व जेआरडी मोशन पिक्चर के बैनर तले बनाया गया है। अल्ताफ सय्यद जीत राय दत्त के साथ पहले भी एक सुपर हिट सांग कर चुके हैं। लेकिन इस प्रोजेक्ट पर दोनों ने 5 वर्षों बाद काम किया।

महाराष्ट्र के औरंगाबाद के करीब बीड़ से सम्बन्ध रखने वाले अल्ताफ सैय्यद को बचपन से ही संगीत और गायकी में दिलचस्पी थी। 90 के दशक के उदित नारायण व कुमार शानू के गाने उन्हें खूब पसन्द थे, वे गुनगुनाते थे और नए गाने भी कम्पोज़ करते रहते थे। स्कूल के सालाना फ़ंजशन में भी वह गाते थे, उनके दोस्तों ने उन्हें काफी प्रोत्साहित किया। वह पढ़ाई के लिए मुम्बई आए और यहीं से ग्रेजुएशन किया, इस दौरान उन्हें एहसास हुआ कि वह संगीत जगत में कुछ कर सकते हैं। जब वह साजिद वाजिद के वाजिद भाई से मिले तो उन्होंने अल्ताफ को अपने मामा सरफराज खान के पास संगीत की तालीम लेने के लिए भेज दिया। वहां उन्होंने काफी कुछ सीखा। नए नए गाने कम्पोज़ करने शुरू किए, गाना शुरू किया तो गायकी में काफी इम्प्रूवमेंट आया।

बतौर कम्पोज़र अल्ताफ सय्यद ने कई फिल्मों में संगीत दिया और उदित नारायण, कुणाल गांजावाला, मोहित चौहान जैसे सिंगर्स को गवाया। लेकिन किस्मत का खेल देखिए जब अल्ताफ सय्यद अपनी धुन निर्माता निर्देशक को अपनी आवाज़ में सुनाते थे तो लोग उनसे ही गाने के लिए कहने लगे। और उन्होंने अपने संगीत में गाना शुरू किया। इसी बीच उनसे संगीतकार चन्द्रसूर्या ने भी गीत गवाए। उसी दौरान उन्होंने एक गाना गाया "नैनो की बात नैना जाने"। यह गाना वायरल होने से बतौर सिंगर अल्ताफ सय्यद को पहचान मिली। उनके गाने जी म्युज़िक से भी रिलीज हुए। तेरे जिस्म सीरीज के लिए भी उन्होंने गाने किये। टी सीरीज से भी उनके कई गाने आए। एक फ़िल्म नारी का वह म्युज़िक कम्पोज़ कर रहे हैं। म्युज़िक लेबल सांग्स बास्केट के साथ भी वह जुड़े हुए हैं। वह मानते हैं कि म्युज़िक अल्बम का यह सुहाना दौर एक बार फिर लौट आया है जो बढ़ता जाएगा। वह खुद को छोटे शहरों और मास ऑडिएंस का फेवरेट सिंगर मानते हैं। मदन मोहन, नौशाद, पंचम दा, लक्ष्मीकांत प्यारेलाल को वह अपना पसंदीदा संगीतकार मानते हैं।

दीपक कदम द्वारा निर्देशित फिल्म ' पुरषा ' ने 3 सांस्कृतिक कलादर्पण पुरस्कार जीते

हर साल सर्वश्रेष्ठ कलात्मक सिनेमा का पुरस्कार संस्कृत कलादर्पण द्वारा दिया जाता है। इस साल यह अवॉर्ड पुरसा सिनेमा को दिया गया है। दीपक कदम द्वारा निर्देशित, ' पुरषा ' ने 3 सांस्कृतिक कलादर्पण पुरस्कार जीते, सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार श्री विजय कदम जी को और सर्वश्रेष्ठ खलनायक का पुरस्कार अंकिता भोइर को मिला। यह केवल मराठी चैनल पर जून में दोपहर 12 बजे और शाम 6 बजे दिखाया जाएगा।

' पुरषा ' सर्वश्रेष्ठ आकर्षक फिल्म सांस्कृतिक कलादर्पण को प्रतिष्ठित मोहस्तव में लगभग 125 फिल्मों से सम्मानित किया गया, जिसमें से मेरी फिल्म ' पुरषा ' को 6 रेटिंग के साथ चुना गया था।

1) सर्वश्रेष्ठ संवाद - राजेश मालवणकर, 2) सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता - विजय जी कदम, 3) सर्वश्रेष्ठ खलनायक - अंकिता भोइर, 4) सर्वश्रेष्ठ खलनायक - सुप्रीति शिवलकर (दोनों के लिए रेटिंग), 6) सर्वश्रेष्ठ उत्कृष्ट फिल्म - ' पुरषा ' ने 3 पुरस्कार जीते 6 रेटिंग में से। दीपक कदम (जन्म 5 जनवरी) विभिन्न वीडियो एल्बम, विज्ञापनों, टीवी श्रृंखला और मराठी फीचर फिल्मों के निर्देशक और निर्देशक हैं। मुंबई में जन्मे और पले-बढ़े, महाराष्ट्र ने मुंबई विश्वविद्यालय से कला में डिग्री हासिल की है। वह मराठी थिएटर और फीचर फिल्मों में कई वर्षों के अनुभव के साथ एक निर्देशक और अभिनेता बन गए। उनकी आने वाली फिल्म वाक्या को नवी मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित किया गया। "एनआईएफएफ" में "सर्वश्रेष्ठ सामाजिक मुद्दे फिल्म पुरस्कार" से भी सम्मानित किया गया। फिल्म सावन संस्कृति कला दर्पण को नामांकन मिला। फिल्म को बाद में महाराष्ट्र सरकार पुरस्कार के लिए चुना गया था। मेघा स्टार की ब्लॉकबस्टर फिल्म "कॉरपोरेटर वन हीरो" 31 मार्च 2017 को सफलतापूर्वक रिलीज़ हुई 13 अक्टूबर 2017 वाक्य 21 पुरस्कार विजेता फिल्म रिलीज़ हुई .. और "एट्रोसिटी" ब्लॉकबस्टर फिल्म 23 फरवरी 2018 को रिलीज़ हुई थी।

बॉलीवुड के मशहूर पब्लिसिटी डिजाइनर ज्ञानचंद देवपति ने अशोक होंडा के स्टूडियो में दोस्तों के साथ मनाया अपना जन्मदिन

रमाकांत मुंडे, अली खान, दिलीप सेन, अनिल सेबल, कमलेश दोशी, रईस खान, सुरजीत सिंह राठौर, विजय सैनी, आज्ञा राम, अमित गुप्ता, विकास फडनीस, प्रियांक राज, विष्णु, प्रमोद सिंह बॉलीवुड के मशहूर पब्लिसिटी डिजाइनर ज्ञानचंद देवपति को जन्मदिन की शुभकामनाये देने पहुचे.

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में पांच लाख रुपए का इनामी नक्सली ढेर

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में सुरक्षा बलों ने एक इनामी नक्सली को एनकाउंटर में मार गिराया है। मारे गए नक्सली पर पांच लाख रुपए का इनाम था। यह जानकारी छत्तीसगढ़ पुलिस के एक अधिकारी ने दी है। अधिकारी के मुताबिक नेडानार गांव के जंगल में सुरक्षा बलों ने कटेकल्याण क्षेत्र कमेटी के मेंबर डेंगा देवा उर्फ महंगू का एनकाउंटर किया गया। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों की सूचना के बाद सुरक्षा कर्मियों के एक दल को इलाके में गश्त लगाने के लिए रवाना किया गया था।

हर्ष मर्डर केस में NIA ने कर्नाटक में कई जगहों पर छापेमारी की

कर्नाटक के शिवमोगा में बजरंग दल कार्यकर्ता हर्ष हत्याकांड मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने जिले के 13 स्थानों पर तलाशी ली। तलाशी के दौरान चार संदिग्ध और 10 गिरफ्तार आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी की गई।

पश्चिम बंगाल : कलकत्ता हाईकोर्ट ने बंगाल के डीजीपी को कारण बताओ नोटिस जारी किया

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट की एकल पीठ ने गुरुवार को अदालत की अवमानना के आरोप में पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक मनोज मालवीय को कारण बताओ नोटिस जारी किया।दो अन्य भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों, झारग्राम जिले के पूर्व पुलिस अधीक्षक बिस्वजीत घोष और वर्तमान झारग्राम जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), कल्याण सरकार को भी नोटिस दिया गया है। वहां तीन पुलिस अधिकारियों को 30 जुलाई को कलकत्ता उच्च न्यायालय की सब्यसाची भट्टाचार्य की खंडपीठ में उपस्थित होना होगा और यह बताना होगा कि उनके खिलाफ अदालत की अवमानना के आरोपों के तहत कार्यवाही क्यों न शुरू नहीं की जाए? न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए तीन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ यह फैसला सुनाया। सुवेंदु का आरोप है कि वे 7 जनवरी, 2022 को एक पार्टी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए झारग्राम जिले के नेताई जा रहे थे, तब उन्हें उनके गंतव्य से कम से कम 20 किमी दूर पुलिस ने रोक दिया।अपनी याचिका में उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें पुलिस ने यह कारण बताते हुए रोका कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस भी नेताई में एक पार्टी कार्यक्रम आयोजित कर रही है और इसलिए वहां उनके प्रवेश से कानून-व्यवस्था की स्थिति बाधित हो सकती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जिला पुलिस ने इस साल 7 जनवरी को उल्लेखित तीन पुलिस अधिकारियों के निर्देश के बाद उन्हें रोका था। अपने तर्क में अधिकारी के वकील ने कहा कि पिछले साल इसी पीठ में विपक्ष के नेता के सुरक्षा पहलुओं पर सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता ने राज्य सरकार की ओर से आश्वासन दिया था कि अधिकारी राज्य में कहीं भी स्वतंत्र रूप से घूम सकते हैं और उनकी सुरक्षा की व्यवस्था करना राज्य का कर्तव्य है। राज्य के महाधिवक्ता के आश्वासन के बाद भी इस साल 7 जनवरी को पुलिस ने विपक्ष के नेता को उनके गंतव्य तक पहुंचने से रोक दिया और इसलिए यह अदालत की अवमानना का मामला बनता है।

उदयपुर की घटना के बाद जुमे की नमाज को लेकर यूपी पुलिस सतर्क, 159 कंपनी पीएसी तैनात

उदयपुर में नुपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट डालने वाले की हत्या के बाद यूपी हाई अलर्ट पर है। उदयपुर की घटना के बाद पड़ रहे पहले शुक्रवार की नमाज को लेकर डीजीपी मुख्यालय से संवेदनशील जिलों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि धर्मगुरुओं से बातचीत करके अराजक तत्वों से निपटने के बंदोबस्त किए गए हैं। पूरे प्रदेश में 159 कंपनी पीएसी उपलब्ध कराई गई है। इसे अलावा जिला फोर्स को ड्यूटी पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी के साथ अफवाह फैलाने वालों पर भी नजर रखी जा रही है। कानून व्यवस्था और शांति व्यवस्था में जो भी बाधा डालेगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शिंदे को CM बनाकर BJP ने साधे 5 निशाने:ठाकरे की विरासत पर कब्जा, उद्धव का संगठन भी टूटेगा; BMC भी हथियाएंगे

महाराष्ट्र के सियासी नाटक के इस सीजन का क्लाइमैक्स आ गया है। एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के नए CM बने हैं। बीजेपी ने उन्हें समर्थन दिया है और मंत्रिमंडल में भी शामिल हुई है। इस क्लाइमैक्स के बाद सभी के मन में बस एक ही सवाल है। आखिर बीजेपी ने सिर्फ 49 विधायकों के समर्थन वाले एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री क्यों बनाया?

निशाना-1: एकनाथ शिंदे के जरिए उद्धव की शिवसेना को खत्म करना

महाराष्ट्र में बीजेपी और शिवसेना, दोनों ही हिंदूवादी राजनीति के कॉम्पिटिटर हैं। 30 सालों से साथ होने के बावजूद दोनों ही जानते हैं कि किसी एक के बढ़ने का मतलब दूसरे का कम होना है। आकंड़े भी इसकी गवाही देते हैं। साल-दर साल शिवसेना सिमटती गई और बीजेपी उतनी ही तेजी से आगे बढ़ती गई।

पिछले विधानसभा चुनाव में शिवसेना और बीजेपी दोनों साथ मिलकर लड़ीं। बीजेपी बड़ी पार्टी बनी और सीएम पद पर दावा ठोंक दिया, लेकिन शिवसेना समझ गई कि अगर सीएम की कुर्सी फिर से फडणवीस के हाथ में गई तो बीजेपी को तेजी से फैलने से कोई रोक नहीं पाएगा। 2019 में बीजेपी और उद्धव के बीच मचे घमासान की बड़ी वजह सीएम की कुर्सी ही थी।

चूंकि शिवसेना को खत्म किए बिना बीजेपी आगे नहीं बढ़ सकती, लेकिन शिवसेना खत्म हो जाए और उसका ब्लेम बीजेपी के सिर पर न आए, इसलिए शिंदे को सीएम बनाया गया। इसके अलावा शिंदे को सीएम बनाकर बीजेपी ये संदेश देना चाहती है कि उन्हीं का खेमा असली शिवसेना है।

निशाना-2: पूरे सियासी ड्रामे में शिंदे को आगे कर खुद का बचाव

बीजेपी ठाकरे की विरासत वाली शिवसेना को समेटना तो चाहती है, लेकिन वो यह भी नहीं चाहती थी कि महाराष्ट्र की जनता के सामने यह ठीकरा उसके सिर फूटे। यही वजह है कि इस बगावत में सबसे अहम किरदार निभाने के बावजूद बीजेपी खुद सामने नहीं आई। उधर, शिंदे बार-बार खुद को असली शिवसेना बताते रहे। और आखिरकार बीजेपी ने शिवसैनिक शिंदे को सीएम बनाकर सबसे बड़ा दांव खेल दिया।

इसके साथ ही शिंदे को सीएम बनाने के पीछे एक बड़ी वजह यह भी है कि बीजेपी अभी टेस्ट एंड ट्रायल करना चाहती है। वो परखना चाहती है कि बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे की कुर्सी और पार्टी छीनने पर महाराष्ट्र की जनता कैसे रिएक्ट करती है। चुनाव में अगर इसका उल्टा असर पड़ा तो नतीजे केवल शिंदे और उनके गुट को भुगतने होंगे। सरकार का चेहरा न होने की वजह से बीजेपी काफी हद तक इससे बची रहेगी।

निशाना-3ः शिवसेना तो रहेगी, लेकिन ठाकरे की विरासत सिमट जाएगी

महाराष्ट्र में बालासाहेब ठाकरे की विरासत बीजेपी की राह का बड़ा रोड़ा थी। जिसकी झंडा बरदारी फिलहाल उद्धव ठाकरे कर रहे हैं। शिंदे को सुप्रीम पावर देने से शिवेसना के संगठन में टूट पड़ने के आसार हैं। संगठन के लोग मुख्यमंत्री के खेमे में जाना चाहेंगे। इस तरह उद्धव ठाकरे की ताकत और कमजोर पड़ जाएगी। शिंदे के बागी कैंप की ओर से लगातार यह कहा जाता रहा कि उद्धव ठाकरे हिंदुत्व को भूलकर एनसीपी और कांग्रेस के करीबी हो गए हैं।

शिंदे के इस दांव को उद्धव भी भांप चुके थे, इसीलिए दो तिहाई पार्टी गंवाने और सुप्रीम कोर्ट में सुनिश्चत हार के बावजूद जाते-जाते औरंगाबाद का नाम संभाजी नगर और उस्मानाबाद का धाराशिव कर दिया। दरअसल, उद्धव नहीं चाहते थे कि हिंदुत्व की राजनीति पर उनकी पकड़ कमजोर हो।

निशाना-4: 37 सालों से शिवसेना की ताकत का सोर्स BMC छीनना

बीजेपी के एकनाथ शिंदे को CM बनाने के दांव की एक और वजह एशिया के सबसे अमीर नगर निगम बृहनमुंबई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन यानी BMC पर कब्जे की लड़ाई है। बीजेपी का प्रमुख एजेंडा शिवसेना से BMC को छीनना है। इस साल सितंबर में BMC के चुनाव होने हैं और इनमें BJP की नजरें शिवसेना के वोट बैंक को कमजोर करने की है।

एकनाथ शिंदे समेत शिवसेना के दो तिहाई से ज्यादा विधायकों को समर्थन देते हुए सरकार बनवाकर बीजेपी ने शिवसेना के वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश की है। इससे शिवसेना कमजोर होगी, जिसका फायदा बीजेपी को BMC चुनावों में हो सकता है।

दरअसल, मुंबई में शिवसेना की ताकत BMC में उसकी मजबूत पकड़ से ही आती है। शिवसेना 1985 में BMC में सत्ता में आई थी और तब से BMC पर उसका कब्जा बरकरार है। 2017 के चुनावों में BMC पर कब्जे के लिए शिवसेना और बीजेपी के बीच कांटे की लड़ाई हुई थी और 227 सीटों में से शिवसेना को 84 और बीजेपी को 82 सीटें मिली थीं।

निशाना-5: शिंदे को मुख्यमंत्री बनाने से मराठाओं में बीजेपी का दखल बढ़ेगा

सभी जानते हैं कि बाल ठाकरे ने अपनी राजनीति की शुरुआत मराठी मानुष से की थी। यानी मराठा अस्मिता उनकी राजनीति का कोर रही है। ये बात अलग है कि 90 के दशक में हिंदूवादी राजनीति के जोर पकड़ने के बाद ठाकरे ने हिंदूवादी राजनीति की भी शुरुआत कर दी।

इधर, बीजेपी राष्ट्रीय पार्टी होने की वजह से मराठी अस्मिता की राजनीति नहीं कर सकती है। इससे बाकी हिंदी भाषी बेल्ट में उस पर बुरा असर पड़ेगा। बीजेपी को ऐसे में हिंदुत्व के अलावा एक और फैक्टर की जरूरत थी। उसकी भरपाई के लिए भाजपा ने शिंदे पर दांव खेला है। शिंदे मराठा हैं और इसका फायदा बीजेपी को जरूर मिलेगा।

गगनयान मिशन पर इसरो प्रमुख का बड़ा बयान

अगले साल तक नहीं हो पाएगी मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने गुरुवार को महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन के बारे में बड़ा एलान किया। उन्होंने देश की पहली मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान के बारे में घोषणा करते हुए कहा कि ये उड़ान इस साल या अगले साल नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि हम पहले यह सुनिश्चित करेंगे कि यान में सभी सुरक्षा प्रणालियां मौजूद हैं कि नहीं। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत महत्वपूर्ण मिशन है, इसलिए जब इंसानों को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा तो सुरक्षा पर बहुत ध्यान देना होगा।

सुरक्षा पर विशेष ध्यान

इसरो प्रमुख ने ये बयान तब दिया जब श्रीहरिकोटा में स्पेसपोर्ट पर इसरो द्वारा तीन विदेशी उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण किया गया। यहां उन्होंने कहा कि गगनयान मिशन में सुरक्षा को लेकर परीक्षण किए जा रहे हैं। इस दौरान इसरो प्रमुख ने जोर देकर कहा कि अगले साल के मध्य में एक मानव रहित मिशन को अंजाम दिया जाएगा और सुनिश्चित किया जाएगा कि सब कुछ ठीक है। उन्होंने कहा कि अगर हम अंतरिक्ष में मानव को भेजना चाहते हैं तो हमें पहले सुरक्षा प्रणाली को हर प्रकार से चेक करना होगा। इसके लिए कई बार कई परीक्षण करने होंगे।

चंद्रयान-3 को लेकर बोली यह बात

इस दौरन चंद्रयान-3 के बारे में बोलते हुए इसरो प्रमुख सोमनाथ ने कहा कि वर्तमान में बहुत सारे परीक्षण किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार हमें चांद पर जाने की कोई जल्दी नहीं है। इस समय हम परीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम चाँद पर उतरें। इस दौरान कुलशेखरपट्टिनम में स्पेसपोर्ट के बनने को लेकर इसरो प्रमुख सोमनाथ ने कहा कि इसरो के हाथों में 2,000 एकड़ जमीन आ गई है। जिस क्षेत्र में हमें लॉन्च पैड बनाना है, वह हमारे पास है। इसके साथ ही डिजाइन प्रक्रिया भी पूरी हो गई है। अब निविदा प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

कन्हैयालाल के हत्यारे 14 दिन की ज्युडिशियल कस्टडी में:CM ने की परिवार से मुलाकात; SHO और एसआई सस्पेंड

उदयपुर में कन्हैयालाल साहू के हत्यारों को उदयपुर जिला अदालत ने 14 दिन की ज्युडिशियल कस्टडी में भेज दिया है। अब नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी(N I A) इन हत्यारों को जयपुर NIA कोर्ट में पेश करने के लिए ट्रांजिट रिमांड मांग सकती है। NIA इन आरोपियों को दिल्ली नहीं ले जाएगी। राजस्थान पुलिस ने गुरुवार शाम को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दोनों हत्यारों को कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट में वकीलों ने दोनों आरोपियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। उदयपुर में कन्हैयालाल साहू के मर्डर के मामले में अब एक नई थ्योरी भी सामने आ रही है। हत्यारों के आतंकी कनेक्शन को लेकर राजस्थान सरकार और NIA अलग-अलग दावे कर रही है। घटना की जांच हाथ में लेने के बाद NIA ने दावा किया है कि फिलहाल हत्यारों का किसी आतंकी संगठन से लिंक सामने नहीं आया है। जबकि एक दिन पहले राजस्थान सरकार ने दावा किया था कि दोनों अंतरराष्ट्रीय संगठनों से जुड़े हुए थे। इससे पहले उदयपुर में आतंकियों के हाथों मारे गए कन्हैयालाल के घरवालों से गुरुवार को राजस्थान के CM अशोक गहलोत ने मुलाकात की। गहलोत ने कन्हैयालाल के घरवालों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। गहलोत ने मीडिया से कहा- NIA एक महीने के अंदर इस केस में जल्दी सजा दिला दे।

SPORTS खेल जगत

10 महीने देरी से हो रहा इंग्लैंड टेस्ट अहम क्यों:टेस्ट वर्ल्ड कप फाइनल की राह आसान होगी, हारे तो आगे के सभी 6 मैच जीतने होंगे

भारत और इंग्लैंड के बीच 1 जुलाई से टेस्ट मैच खेला जाएगा। यह मुकाबला टीम इंडिया के पिछले इंग्लैंड दौरे पर ही खेला जाना था, लेकिन तब 4 मैचों के बाद कोरोना आउटब्रेक हो गया और मुकाबले को स्थगित करना पड़ा था। मैच भले ही करीब 10 महीने की देरी से हो रहा है, लेकिन इसकी अहमियत अब भी उतनी है जितनी इंग्लैंड की पिछली गर्मियों में थी। टीम इंडिया के लिए तो इसकी वैल्यू और भी ज्यादा है। चलिए जानते हैं कि ऐसा क्यों है?

द्रविड़ सेना का इतिहास दोहराने का मौका

अगर भारतीय टीम यह टेस्ट जीत जाती है तो सीरीज भी 3-1 से उसके नाम हो जाएगी। 15 साल बाद भारतीय टीम इंग्लैंड की धरती पर टेस्ट सीरीज जीतेगी। भारत ने आखिरी बार 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में इंग्लैंड में सीरीज जीतने में कामयाबी हासिल की थी। इसके बाद 2011, 2014 और 2018 में खेली गई सीरीज में भारत को बुरी तरह हार झेलनी पड़ी थी।

बर्मिंघम में हार की स्थिति में भी भारत के पास एक तसल्ली वाली बात होगी। तब सीरीज 2-2 से ड्रॉ हो जाएगी। फिर कहानी यह बनेगी कि 15 साल में पहली बार भारत ने इंग्लैंड को उसके घर में सीरीज जीतने नहीं दिया। आज का भारत यह तसल्ली वाली कामयाबी नहीं चाहता।

WTC पर होगा सीधा इम्पैक्ट

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पहले सीजन में टीम इंडिया फाइनल तक पहुंची थी, जहां उसे न्यूजीलैंड से हार झेलनी पड़ी थी। इस बार न्यूजीलैंड पहले ही फाइनल की होड़ से बाहर हो चुकी है। इंग्लैंड का भी फाइनल में पहुंचने के कोई चांस नहीं बचा है। भारत होड़ में है। जानिए कैसे...

भारतीय टीम अभी WTC पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर है। फाइनल के लिए टॉप-2 में फिनिश करना ही होगा।

पिछली बार भारत ने 70% से ज्यादा पॉइंट्स लेकर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। तब दोनों फाइनलिस्टों के 70% से ज्यादा पॉइंट्स थे।

अगर भारत को इस बार भी 70% से ज्यादा पॉइंट्स लेने हैं तो आखिरी के 7 में से 6 मैच जीतने होंगे। इंग्लैंड के खिलाफ इस मैच के बाद भारत को ऑस्ट्रेलिया से अपने घर में 4 और बांग्लादेश से उसके घर में 2 टेस्ट जीतने हैं।

अगर भारतीय टीम इंग्लैंड से मुकाबला हार जाती है तो फिर उसके बाकी बचे 6 मैच एकतरह से नॉक आउट जैसे साबित हो सकते हैं।

भारतीय टीम 7 में से 5 मैच जीतती है तो उसके करीब 65% पॉइंट्स होंगे। इस स्थिति में भी टीम इंडिया टॉप-2 में आ सकती है, लेकिन तब उसे दूसरी टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा।

जीत के साथ विराट का शतक भी बन जाए तो मजा आ जाएगा

इस टेस्ट में रोहित शर्मा नहीं खेल रहे हैं। विराट भले ही कप्तान न हों, लेकिन विदेशी जमीन पर इस मुकाबले में लीडरशिप की जिम्मेदारी उनके ही कंधों पर होगी। दबाव में अक्सर विराट का बेस्ट सामने आता है।

बस देखना यह है कि वे इंटरनेशनल क्रिकेट में करीब तीन साल का शतक का सूखा खत्म कर पाते हैं या नहीं। भारत ही नहीं दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमियों के बीच इस बात पर चर्चा तेज है कि विराट टेस्ट में फॉर्म में लौटेंगे या नहीं? आपको क्या लगता है?

टीम इंडिया के मौजूदा गेंदबाजों का इंग्लैंड में प्रदर्शन

शमी	बुमराह	जडेजा	आर अश्विन	सिराज
12 टेस्ट, 36 विकेट	8 टेस्ट, 32 विकेट	10 टेस्ट, 23 विकेट	7 टेस्ट, 18 विकेट	4 टेस्ट, 14 विकेट

17 साल की फुटबॉलर के साथ दुर्व्यवहार

यूरोप दौरे पर भारतीय खिलाड़ी के साथ टीम के विदेशी कोच ने की गलत हरकत, जांच के आदेश

भारत की एक अंडर-17 महिला फुटबॉलर ने टीम के विदेशी कोच पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। खिलाड़ी का कहना है कि कोच ने नॉर्वे में उसके साथ गलत हरकत की। अभी खिलाड़ी और कोच का नाम सामने नहीं आया है। भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF) ने मामले को गंभीरता से लिया है और आरोपी कोच को तत्काल नॉर्वे से भारत बुलाया गया है। फुटबॉल संघ की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अंडर-17 वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए टीम यूरोप के दौरे पर है। कोच के खिलाफ शिकायत मिलने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गय है और उन्हें वापस लौटने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही इसकी जानकारी स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) को भी दे दी गई है। संघ की ओर से जांच कमेटी का भी गठन किया गया है। कोच को भारत वापस आने के बाद जांच कमेटी के सामने पेश होना है।

पिछले महीने साइक्लिस्ट ने भी लगाए थे कोच पर आरोप

पिछले महीने स्लोवेनिया में कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारी के लिए भारतीय महिला टीम की एक साइक्लिस्ट ने भी चीफ कोच आरके शर्मा पर बदसलूकी का आरोप लगाया था। उसके बाद SAI ने तुरंत एक्शन लेते हुए कोच को कैंप से वापस बुला लिया। इसके अलावा वर्ल्ड कप में मेडल जीतने वाली महिला जिम्नास्ट ने भी एक कोच पर मेडिकल के दौरान बिना इजाजत के वीडियो बनाने के आरोप लगाए थे। इन सभी मामलों की अभी जांच चल रही है।

तीन साल में यौन उत्पीड़न की 17 शिकायतें मिलीं

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर दिसंबर, 2021 को लोकसभा में बताया था कि साल 2018 से अब कि SAI को यौन शोषण की 17 शिकायतें मिलीं। इनमें सबसे अधिक सात शिकायतें साल 2018 में और छह 2019 में आईं। इंडियन एक्सप्रेस ने पिछले साल आरटीआई से जानकारी मांगी थी, जिसके मुताबिक, साई के अंतर्गत आने वाले देश के 24 अलग-अलग संस्थानों में पिछले 10 साल में महिलाओं के साथ यौन शोषण के 45 मामले सामने आए। इनमें से सबसे ज्यादा 29 मामले कोच और खिलाड़ियों के बीच के हैं। इस पर साई के पूर्व डायरेक्टर जनरल ने कहा था कि यौन शोषण के आंकड़ों की संख्या इससे कहीं बहुत अधिक हो सकती है, क्योंकि कई मामलों में महिला खिलाड़ी शिकायत दर्ज नहीं करा पाती हैं।

देश परदेश

इजराइल की संसद भंग:3 साल में पांचवीं बार इलेक्शन होंगे, येर लैपिड को केयरटेकर सरकार की कमान

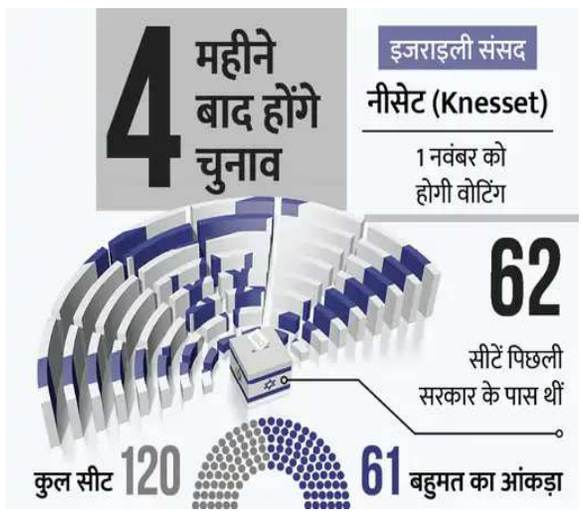

इजराइली संसद भंग कर दी गई है। एक स्पेशल बिल पास करके नए चुनाव का रास्ता साफ कर दिया है। तमाम पार्टियां नए चुनाव कराने का समर्थन कर चुकी हैं। अब 1 नवंबर को नए चुनाव होंगे। 2019 से 2022 के बीच यह पांचवां इलेक्शन होगा। नफ्टाली बेनेट सरकार में नंबर दो रहे येर लैपिड को केयरटेकर सरकार की जिम्मेदारी दी गई है। कुछ दिन पहले ये माना जा रहा था कि पूर्व प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समर्थन जुटाकर फिर प्रधानमंत्री बन सकते हैं। हालांकि, बाद में उन्होंने भी तय कर लिया कि नए चुनाव कराना ही बेहतर होगा।

लैपिड के पास ज्यादा पावर्स नहीं होंगे

'टाइम्स ऑफ इजराइल' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बेनेट को सत्ता इसलिए गंवानी पड़ी, क्योंकि वो नेतन्याहू के तरह गठबंधन चलाना नहीं जानते थे। बेनेट की सरकार ऐसे वक्त गिरी जब ईरान की तरफ से इजराइल को गंभीर नतीजों की धमकी दी है। अब बेनेट सरकार में फॉरेन मिनिस्टर रहे येर लैपिड कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनेंगे, लेकिन उनके पास एक इलेक्टेड प्राइम मिनिस्टर की तरह पावर्स नहीं होंगे। हालांकि, इससे बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि इजराइल में देश की सुरक्षा और शासन व्यवस्था के लिए एक प्रॉपर मैकेनिज्म है।

नेतन्याहू फिर बनेंगे PM

इजराइली मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चुनाव इसी साल 25 अक्टूबर या 1 नवंबर को हो सकते हैं। माना ये जा रहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पार्टी सत्ता में वापसी कर सकती है। हालांकि, उसे अकेले के दम पर स्पष्ट बहुमत मिलने की संभावना कम है। इसलिए बहुत मुमकिन है कि नेतन्याहू प्री या पोस्ट पोल अलायंस के तहत सरकार बनाएं।

बेनेट के अलायंस में दक्षिणपंथी पार्टियों के साथ ही लिबरल्स और अरब पार्टीज भी शामिल थीं और ये शुरू से लग रहा था कि इस अलायंस का लंबा चलना मुश्किल है।

सबसे घटिया सरकार

नेतन्याहू ने पिछले दिनों एक इंटरव्यू में कहा था- बेनेट सरकार इजराइल के इतिहास की सबसे घटिया और कमजोर सरकार थी। मैं उम्मीद करता हूं कि जब भी नए चुनाव होंगे तो मेरी पार्टी को क्लियर मेजॉरिटी मिलेगी और हम अपने देश को तेजी से आगे ले जाएंगे।

वैसे, नेतन्याहू के साथ भी दिक्कतें कम नहीं हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि उनके खिलाफ करप्शन केस चल रहा है। हालांकि, वो तमाम आरोपों से इनकार कर चुके हैं और कोर्ट ने भी माना है कि नेतन्याहू के खिलाफ पेश सबूत बहुत भरोसेमंद नहीं हैं। इजराइल की संसद में कुल 120 सीटें हैं। बहुमत के लिए 61 सीटें चाहिए। देश में मल्टी पार्टी सिस्टम है और छोटी पार्टियां भी कुछ सीटें जीत जाती हैं। इसी वजह से किसी एक पार्टी को बहुमत पाना आसान नहीं होता। लिहाजा, अकसर प्री या पोस्ट पोल अलायंस होते हैं। इसके बावजूद सरकारें चल नहीं पातीं, क्योंकि सियासी हालात काफी मुश्किल हैं। कई मुद्दों पर पार्टियों में मतभेद बने रहते हैं।

स्नेक आईलैंड फिर यूक्रेन के पास:रूस का दावा- दुनिया की मदद के लिए रास्ता दिया, यूक्रेन बोला- हमलों से डरकर भागे रूसी सैनिक

रूस और यूक्रेन की जंग को चार महीने से ज्यादा हो चुके हैं। इस दौरान पहली बार ऐसा हुआ जब रूस ने यूक्रेन की किसी जगह को अपनी मर्जी से छोड़ा हो। हालांकि, दूसरी तरफ यूक्रेन दावा कर रहा है कि उसकी सेना ने रूस सेना को इस आईलैंड से भागने पर मजबूर कर दिया है।

रूस और यूक्रेन के बीच ब्लैक सी में मौजूद स्नेक आईलैंड रणनीतिक लिहाज से काफी अहम है। इस आईलैंड के करीब से ही यूक्रेन के एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स और गेहूं एक्सपोर्ट किए जाते हैं। रूस की डिफेंस मिनिस्ट्री ने कहा- हमने मानवीय आधार पर यह जगह छोड़ने का फैसला किया है। इस आईलैंड को जिमिनी आईलैंड भी कहा जाता है।

फरवरी से ही रूस का कब्जा

24 फरवरी को जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो उसने तभी साफ कर दिया था कि वो यूक्रेन की इकोनॉमी को तबाह कर देगा। इसी स्ट्रैटेजी के तहत रूसी सेना ने स्नेक आईलैंड पर भारी बमबारी की और उस पर कब्जा कर लिया। इसकी वजह से यूक्रेन के तमाम एक्सपोर्ट्स बंद हो गए। इसका खामियाजा सीधे तौर पर दुनिया को भी भुगतना पड़ा। यूक्रेन का गेहूं और दूसरे एग्रीकल्चर प्रोडक्ट दूसरे देशों तक नहीं पहुंचे और वर्ल्ड फूड क्राइसिस पैदा हो गया।

रूस की डिफेंस मिनिस्ट्री ने एक बयान में कहा- हमने स्नेक आईलैंड से सैनिक वापस बुला लिए हैं। हम नहीं चाहते कि मानवता के लिए कोई संकट पैदा इसलिए ह्यूमन कॉरिडोर बनाने का फैसला किया है।

यूक्रेन का दावा- भाग गए रूसी सैनिक

ब्लैक सी यानी काला सागर में मौजूद स्नेक आईलैंड को लेकर रूस भले ही कुछ भी दावा कर रहा हो, लेकिन सच्चाई ये है कि यूक्रेन उसके तर्क मानने तैयार नहीं है। ब्रिटिश अखबार 'द गार्डियन' से बातचीत में यूक्रेन की डिफेंस मिनिस्ट्री के प्रवक्ता ने कहा- रूस का दावा हास्यास्पद है। हमारी मिसाइलों और बमबारी ने उसे पोर्ट सिटी ओडेसा और स्नेक आईलैंड छोड़ने पर मजबूर कर दिया है।

एक और अच्छी खबर

कीव और मॉस्को के बीच बातचीत से एक और उम्मीद की किरण नजर आई। रूस ने यूक्रेन को उसके 144 कैदी सौंपे।

यही काम यूक्रेन ने भी किया और रूस के 144 कैदी रिहा कर दिए। जंग के चार महीने गुजर जाने के बाद यह पहला मौका है जब दोनों देशों ने बातचीत के बाद कोई पॉजिटिव स्टेप लिया हो। खासतौर पर तब जबकि रूस मारियुपोल जैसे अहम शहर पर कब्जा कर चुका है। इस शहर में अब भी 15,000 हजार लोग एक तरह से बंधक हैं।

इस बीच, नाटो देशों के राष्ट्राध्यक्षों की मीटिंग मैड्रिड में जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन साफ कर चुके हैं यूरोप में अमेरिकी फौज बढ़ाई जाएगी। अमेरिकी की पांचवी कॉर्प्स को पोलैंड में तैनात किया जा रहा है।

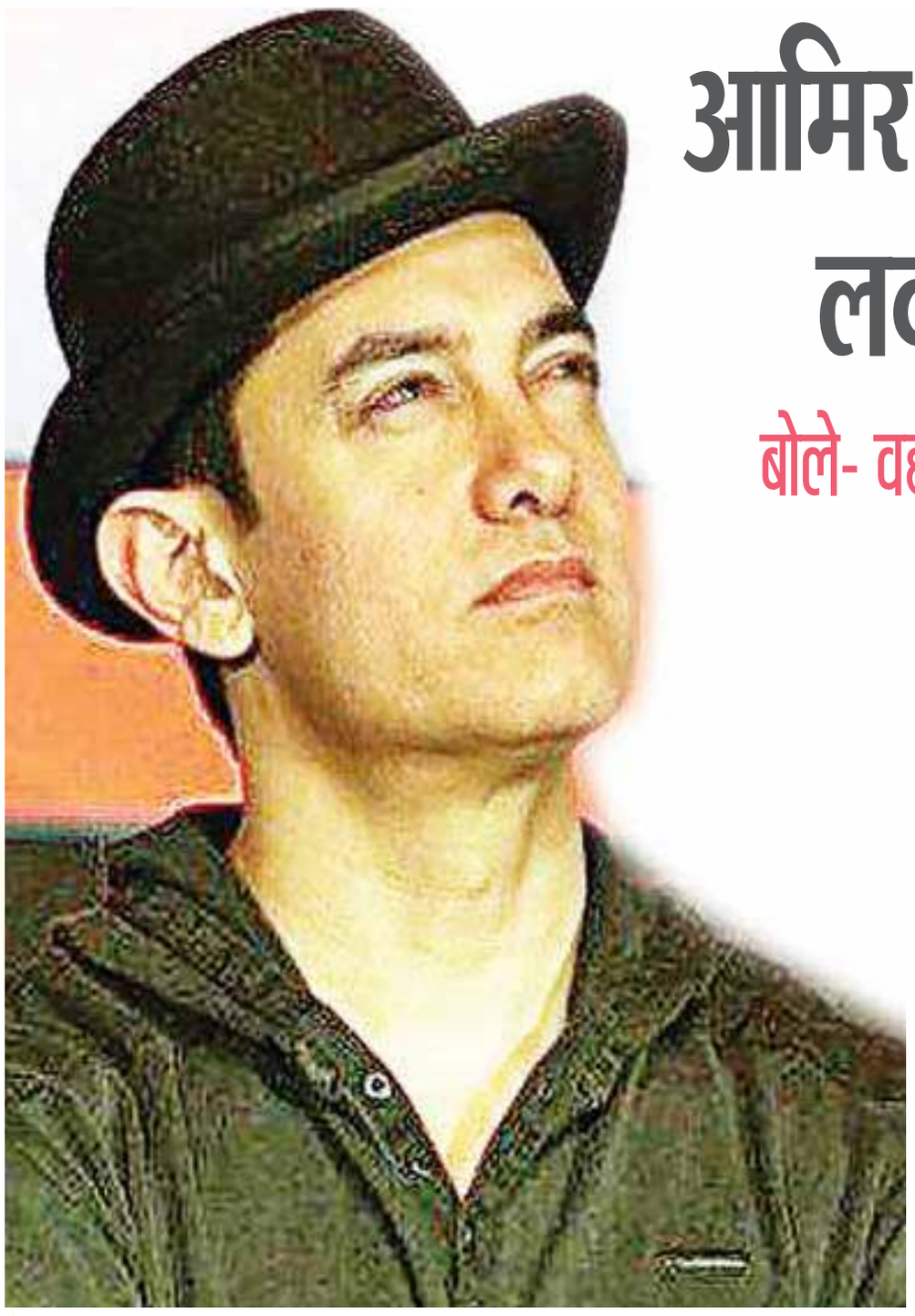

आमिर खान ने अपने फर्स्ट लव का किया खुलासा

बोले- वह मेरे साथ टेनिक क्लब में थीं...

सपनों के शहर में मानसून का मौसम है और एक कप कॉफी के साथ रोमांस के बीच बॉलीवुड स्टार आमिर खान ने सोशल मीडिया लाइव के जरिए अपनी अपकमिंग फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' के एक और खूबसूरत गाना 'फिर ना ऐसी रात आएगी' लॉन्च किया है। आमिर खान को उनकी फिल्मों में एक लवर के रूप में देखा है लेकिन क्या अब तक आपने कभी उन्हें अपने पहले प्यार और दिल टूटने के बारे में बात करते सुना है? शायद नहीं। लेकिन हाल ही में कुछ प्रतिभाशाली युवा भारतीय क्रिएटर्स के साथ लाइव बातचीत के दौरान 'फिर ना ऐसी रात आएगी' गाना लॉन्च करते हुए, आमिर खान ने अपने पहले दिल टूटने की कहानी साझा की। आमिर खान ने कहा, यह वह समय था जब मैं टेनिस खेलता था, वह भी मेरे साथ उसी क्लब में थी, और एक दिन मुझे पता चला कि वह अपने परिवार के साथ देश छोड़कर चली गई है। मैं बहुत दुखी था और मुश्किल बात यह है कि वह इस बात को नहीं जानती, बस एक ही चीज अच्छी हुई कि मैं बहुत अच्छा टेनिस खिलाड़ी बन गया, बाद में कुछ सालों बाद, मैंने स्टेट लेवल चैंपियनशिप में टेनिस खेला और एक स्टेट लेवल चैंपियन बन गया। इस गाने के लॉन्च के दौरान, आमिर खान ने अपनी लाइफ के सीक्रेट्स, जिससे अब तक सब अंजान थे, के बारे में खुलकर बात की साथ ही अपने पहले प्यार से जुड़ी बातों का जिक्र करते हुए कि कैसे उसके जाने के बाद वह एकदम पागल हो गया थे। सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि उनका पहला प्यार उनका बहुत करीबी दोस्त है, जिसे उनकी एकतरफा भावनाओं के बारे में कोई जानकारी नहीं है। आमिर की आने वाली फिल्म लाल सिंह चड्ढा का लेटेस्ट गाना 'फिर ना ऐसी रात आएगी' दुनिया भर से प्यार बटोर रहा है। अपने पुराने अंदाज़ और लीरिक्स के कारण इसे इस दशक का सबसे अच्छा गीत माना जा रहा है। आमिर खान प्रोडक्शंस, किरण राव और वायकॉम 18 स्टूडियो द्वारा निर्मित 'लाल सिंह चड्ढा' में करीना कपूर खान, मोना सिंह और चैतन्य अक्किनेनी भी हैं।

साउथ एक्टर ने की 'रक्षा बंधन' के ट्रेलर की तारीफ

अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'रक्षा बंधन' का ट्रेलर पिछले हफ्ते 21 जून को रिलीज किया गया था। ट्रेलर को सेलेब्स से लेकर फैंस तक सभी ने खूब पसंद किया। अब हाल ही में आरआरआर एक्टर राम चरण ने अपने ट्विटर हैंडल पर ट्रेलर शेयर कर तारीफ की है। साथ ही उन्होंने अक्षय कुमार को अप्रिशिएट भी किया। जिसके जवाब में अक्षय ने राम चरण को थैंक्स बोला है। दोनों एक्टर के ट्वीट्स को देखकर फैंस उनकी तारीफ कर रहे हैं। राम चरण ने 'रक्षा बंधन' का ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, 'क्या ट्रेलर है अक्षय कुमार सर। भाई-बहन का पवित्र और खूबसूरत बंधन ट्रेलर में बखूबी दिखाया गया है।' राम चरण ने फिल्म के डायरेक्टर आनंद एल राय को जन्मदिन की बधाई भी दी। उन्होंने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे आनंद एल राय सर।'

करण जौहर के साथ बचपन में बुरा व्यवहार करते थे अक्षय खन्ना

करण जौहर इस वक्त अपने चैट शो कॉफी विद करण को लेकर चर्चा में हैं। सीजन 7 का टीजर आ चुका है। टीजर में लोगों के कई तरह के कमेंट्स हैं। इसके साथ ही कॉफी विद करण के पुराने एपीसोड्स भी सुर्खियों में हैं। साल 2007 में करण जौहर ने अपने टॉक शो पर अक्षय खन्ना को बुलाया था। इस दौरान करण ने अक्षय खन्ना से उनके गरम मिजाज पर बात की थी। करण ने यह भी बताया था कि बचपन के दिनों में अक्षय उनके प्रति रूड थे और उन्हें डराया भी था। इस पुराने एपीसोड में करण ने कहा था, यह सब क्या बातें हो रही हैं अक्षय, लोग तुम्हारे गुस्सैल होने के बारे में बातें कर रहे हैं। मैं पढ़ता रहता हूं। लेकिन सोशली जब मैं तुमसे मिला तो ऐसा कभी नहीं हुआ। साथ ही उन्होंने कहा, मैं जानता हूं, बचपन में तुम मेरे साथ काफी रूड रहे हो। तुम्हें याद नहीं होगा। हम एक ही पड़ोस में बड़े हुए हैं। हम साउथ बॉम्ब बॉयज थे। मैं बहुत बुरा बैडमिंटन खेलता था। अक्षय बहुत अच्छे बैडमिंटन प्लेयर थे। अक्षय आते और बोलते, तुम, तुम कोर्ट से निकलो। हम बेचारे छोटे बैडमिंटन प्लेयर जो कि सर्वाइव कर रहे थे और ये बैडमिंटन स्टार थे और हमें कोर्ट से बाहर फेंक दिया जाता था।

अभिनेत्री स्वरा भास्कर को जान से मारने की धमकी

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर काफी बेबाक तरीकों से अपने बात सबके सामने रखती हैं। सोशल मीडिया पर उन्हें अपने बयानों के लिए आय दिन टारगेट किया जाता हैं। वह हमेशा ट्रोलर्स के निशाने पर रहती हैं। जहां एक तरह उदयपुर में दर्जी की निर्मम हत्या के बाद देश में हड़कंप मट गया है वहीं खबरे आ रही हैं कि स्वरा भास्कर को भी जान से मारने की धमकी दी जा रही हैं। इससे पहले सलमान खान को भी एक धमकी भरा पत्र भेजा गया था। अभिनेत्री स्वरा भास्कर को एक पत्र में जान से मारने की धमकी मिली है, जिसके बाद मुंबई पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह जानकारी एक अधिकारी ने बुधवार को दी। अधिकारी ने कहा कि पत्र अभिनेत्री के वर्सोवा स्थित आवास पर भेजा गया था। एक अधिकारी ने बताया कि पत्र मिलने के बाद स्वरा भास्कर ने दो दिन पहले वर्सोवा पुलिस थाने में संपर्क किया और अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कहा, ''शिकायत के आधार पर, हमने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एक गैर-संज्ञेय अपराध दर्ज किया है।'' उन्होंने कहा कि जांच जारी है। हिंदी में लिखे गए पत्र में कहा गया है कि देश के युवा वीर सावरकर का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे।

अगर बेटी हुई तो यह नाम रखेंगी आलिया भट्ट!

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने हाल ही में अनाउंस किया कि वो प्रेग्नेंट हैं। इस खबर के सामने आने के बाद से ही फैंस और सेलेब्स आलिया भट्ट और रणबीर कपूर को बधाई दे रहे हैं। वहीं सोशल मीडिया पर इस बात की भी चर्चा शुरू हो गई है कि यह कपल अपने बच्चे का क्या नाम रखेगा?

आलिया भट्ट साल 2019 में एक डांस रियलिटी शो में बताया था कि अगर उन्हें बेटी हुई तो वह क्या नाम रखेंगी। जब इस शो में आलिया ने एक कंटेस्टेंट्स से अपने नाम की स्पेलिंग पूछी तो उसने बताय- ALMAA यानि अलमा। आलिया को यह नाम बहुत पसंद आया। उन्होंने कहा था, 'अलमा बहुत ही सुंदर नाम है, अगर उन्हें बेटी हुई तो उसका यही नाम रखेंगी। वहीं आलिया भट्ट ने अपनी दोस्त आकांक्षा रंजन के शो के दौरान बताया था कि उन्हें दो बेबी बॉय चाहिए। आलिया इन दिनों यूके में अपनी हॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' की शूटिंग कर रही हैं। बता दें कि आलिया भट्ट ने 27 जून 2022 को अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी। एक्ट्रेस ने दो तस्वीरें शेयर की थीं। पहली तस्वीर उनके अल्ट्रासाउंड अपॉइंटमेंट की थी, जिसमें वो अस्पताल के बेड पर लेटी हुई दिख रही हैं और उनके साथ रणबीर कपूर बैठे नजर आ रहे हैं। दूसरी तस्वीर में शेर, शेरनी और शावक दिख रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस ने लिखा था, 'हमारा बच्चाज जल्द ही आ रहा है।'

उर्वशी रौटेला के 13 फोटो जिसे देख फैंस ने कहा सुपरहॉट

उर्वशी रौटेला फिल्मों से ज्यादा सोशलमीडिया पर पाई जाती हैं। उनकी सुंदरता, हॉटनेस और फिगर के लाखों दीवाने हैं जो उर्वशी की हर अदा पर आहें भरते हैं। उर्वशी भी लगातार फोटो और वीडियो पोस्ट करती रहती हैं। ये ताज्जुब की बात है कि खूबसूरत और हॉट होने के बावजूद उर्वशी को अब तक बॉलीवुड में वो स्थान नहीं मिला है जिसकी वो हकदार हैं। पेश है उर्वशी के वो 13 फोटो जिनमें उन्हें देख फैंस ने उन्हें सुपर हॉट कहा।

उपवास ने कर दी सोफिया हयात की हालत खराब

एक्ट्रेस से नन बनीं 'बिग बॉस' फेम सोफिया हयात को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोफिया ने व्रत रका हुआ था, जिसमें उनकी हालत खराब हो गई। सोफिया की हालत इतनी खराब हो गई कि उन्हें बेहोशी के बाद हॉस्पिटलाइज़ कराना पड़ा। सोफिया ने बताया कि बॉडी की सफाई के लिए वह फास्ट और एनिमा के प्रॉसेस से गुजरीं, जिसके बाद उनकी हालत काफी खराब हो गई। सोफिया ने बताया, मैं फास्टिंग और एनिमा के जरिए बॉडी की सफाई की प्रैक्टिस कर रही थी। मुझे लगता है कि सफाई के इस प्रॉसेस के दौरान ही मेरे शरीर से काफी अधिक मात्रा में सॉल्ट और इलेक्ट्रोलाइट्स निकल गए। यह लेवल इतना नीचे गिरा जो कि बहुत खतरनाक था। मैंने नर्स से कहा कि मुझे 5 पैकेट्स सॉल्ट दे दे। उन्होंने कहा, मैं कांप रही थी। मैंने हॉस्पिटल से अपने एक फ्रेंड से बात की, वह हीलर है और फिर मैंने अच्छा महसूस किया। और फिर आखिरकार मैंने फास्ट छोड़ दिया और मुझे खाना पड़ा ताकि मैं अपनी बॉडी की जरूरत को पूरा कर सकूं। मेरा शरीर इस वक्त फास्ट करना नहीं चाह रहा।

स्टार किड्स पर भड़कीं ईशा गुप्ता

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता अक्सर अपनी बोल्डनेस की वजह से चर्चा में रहती हैं। ईशा हाल ही में बॉबी देओल की वेब सीरीज 'आश्रम 3ड्ड' में नजर आई थीं। ईशा गुप्ता आज इंडस्ट्री में एक अच्छे मुकाम पर पहुंच गई हैं, लेकिन यह सफर उनके लिए आसान नहीं रहा। ईशा गुप्ता को फिल्म इंडस्ट्री में आए हुए 10 साल हो गए हैं। ईशा ने बताया कि एक आउटसाइडर होने के चलते फिल्म इंडस्ट्री में इस मुकाम तक पहुंचने का रास्ता बहुत लंबा और मुश्किलों भरा रहा है। उन्होंने कहा, फिल्म इंडस्ट्री में बाहर से आने वाले लोगों की मदद के लिए यहां कोई नहीं है। मैं जिन लोगों में भी मिली, उनमें से बहुत कम ही सच्चे और रियल लोग थे। ईशा ने कहा, बहुत कम लोग हैं जो आपकी कामयाबी देखना चाहते हैं। मैं यदि इसी फिल्म इंडस्ट्री की होती तो यहां मेरी जर्नी बहुत आसान होती। आप फ्लॉप फिल्में दे सकते हैं, क्योंकि आपके पास खुद को साबित करने के लिए कई मौके होते हैं। जब मेरी पहली फिल्म फ्लॉप हुई थी तो मैं डर गई थी। मुझे लगा कि अब सब खत्म हो गया है और मुझे कोई दूसरा काम भी नहीं मिलेगा। हालांकि इसके बाद मैंने खुद को संभाला और जब काम करना शुरू किया तो समझ आया कि यही जीवन है।

अपने प्लेसमेंट सेल को जानें

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

संस्थान में प्लेसमेंट सेल की छात्रों को उपयुक्त रोजगार और सफल करियर में प्रवेश के लिए मार्गदर्शन और सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। संस्थान का प्लेसमेंट सेल छात्रों को उनके करियर लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन और सभी सहायता प्रदान करता है। प्रकोष्ठ उद्योग की मांगों की पहचान करने के लिए प्रासंगिक कदम उठाता है और छात्रों को इस आवश्यकता के लिए तैयार करता है। नियमित शैक्षणिक कार्यक्रम के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स के विकास पर पर्याप्त जोर दिया जाता है। छात्रों के सेल द्वारा नियमित अंतराल पर समूह चर्चा और योग्यता परीक्षण आयोजित किए जाते हैं ताकि छात्र प्लेसमेंट के दौरान अपने प्रदर्शन में सुधार कर सकें।प्लेसमेंट सेल के उद्देश्य इस प्रकार हैं:-

• कैरियर के विकास और विकास में छात्रों की सहायता करने के लिए
• उद्योग और शिक्षा जगत के बीच मौजूदा अंतर को पाटने के लिए
• उद्योग और संस्थान के बीच संबंध विकसित करना और स्थापित करना
• व्यक्तित्व विकास में छात्रों का

समर्थन करने के लिए
• विभिन्न प्रबंधकीय कौशल पर कॉर्पोरेट अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्लेसमेंट सेल नियमित कॉर्पोरेट अतिथि व्याख्यान, नकली साक्षात्कार सत्र, क्षेत्रवार पैनल चर्चा और जैसे पूर्व प्लेसमेंट उद्योग / कॉर्पोरेट संबंधित गतिविधियों का आयोजन करके छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने का प्रयास करता है। कॉर्पोरेट संगोष्ठी आदि
संस्थान को कॉर्पोरेट अपेक्षाओं के अनुसार छात्रों को मार्गदर्शन और तैयार करने के लिए परिसर में मध्य से शीर्ष स्तर के कॉर्पोरेट पेशेवरों को आमंत्रित करना चाहिए।
छात्र प्लेसमेंट सेल को विभिन्न कॉर्पोरेट गतिविधियों जैसे नियमित अतिथि व्याख्यान, क्षेत्रवार पैनल चर्चा, नकली साक्षात्कार सत्र, गोलमेज सम्मेलन, कॉर्पोरेट सेमिनार और कई कॉर्पोरेट कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता होती है जो पेशेवरों के साथ सीधे बातचीत करने और उनके व्यक्तित्व को प्रभावी ढंग से तैयार करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। ये गतिविधियाँ छात्रों को व्यावसायिक दुनिया में मौजूद मौजूदा चुनौतियों और अवसरों को समझने में भी मदद करती हैं।

डॉ कृष्णा चौहान 20 जुलाई को आयोजित करने जा रहे हैं राष्ट्रीय रत्न सम्मान 2022

पुरुस्कार समारोह के बाद वह अपनी हिंदी फिल्म आत्मा डॉट कॉम की शूटिंग करेंगे शुरू

अवार्ड फंक्शन्स के शो मैन कहलाए जाने वाले डॉ कृष्णा चौहान अब 20 जुलाई 2022 को भव्य रूप से "राष्ट्रीय रत्न सम्मान 2022" का आयोजन मुम्बई में करवाने जा रहे हैं।

इसका पोस्टर सोशल मीडिया पर आउट होते ही वायरल हो गया है। केसीएफ प्रस्तुत यह पुरस्कार समारोह मुम्बई में अंधेरी स्थित मेयर हॉल में 20 जुलाई की शाम को होगा। राष्ट्रीय रत्न सम्मान 2022" उन लोगों को नवाजा जाएगा जिन्होंने समाज सेवा और मानव सेवा का उल्लेखनीय कार्य किया है। डॉ कृष्णा चौहान इस अवार्ड समारोह को लेकर काफी उत्साहित हैं।इस पुरस्कार समारोह के बाद डॉ कृष्णा चौहान अपनी नेक्स्ट हॉरर थ्रिलर फिल्म आत्मा डॉट कॉम की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं, जिसका हाल ही में भव्य मुहूर्त किया गया था।आपको बता दें कि मुम्बई में जून 2022 को केसीएफ व केसीपी प्रस्तुत "मिस बॉलीवुड ऑनलाइन ब्यूटी कॉन्टेस्ट 2022" का भव्य आयोजन किया गया था जहां रोज़ खान विनर बनी।इस ब्यूटी कांटेस्ट के ज्यूरी मेम्बर्स में डॉ कृष्णा चैहान, डॉ परिन सोमानी (अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर) और आर राजपाल (पब्लिसिटी डिज़ाइनर) का नाम उल्लेखनीय है। मिस बॉलीवुड ऑनलाइन ब्यूटी कांटेस्ट 2022 की रोज़ खान विनर रहीं।बता दें कि डॉ कृष्णा चौहान न सिर्फ एक सफल बॉलीवुड डायरेक्टर हैं, एक्टिव सोशल वर्कर हैं बल्कि अवार्ड्स फंक्शन्स करवाने के मामले में सबसे चर्चित शख्सियत माने जाते हैं। उनका एक अवार्ड फंक्शन सम्पन्न होता है और वह अपने नेक्स्ट पुरुस्कार समारोह की तैयारियों में लग जाते हैं।आपको बता दें कि डॉ कृष्णा चौहान का हिंदी अल्बम "ज़िक्र तेरा" हाल ही में रिलोज हुआ है और उनकी हिंदी फिल्म "आत्मा डॉट कॉम" नेक्स्ट माह फ्लोर पर जाने वाली है, इसके संगीतकार दिलीप सेन हैं।

राहुल ने मोदी-शाह पर उठाई उंगली, कहा- भाजपा और आरएसएस ने बनाया देश में गुस्से और नफरत का माहौल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र की भाजपा नीत सरकार पर देश में गुस्से और नफरत का माहौल बनाने का आरोप लगाया और कहा कि यह भारत और उसके लोगों के हित के खिलाफ है। निलंबित भाजपा नेता नूपुर शर्मा के खिलाफ पैगंबर पर टिप्पणियों के लिए सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में कांग्रेस सांसद ने कहा कि शीर्ष अदालत ने जो कहा वह सच है। लेकिन देश में माहौल उस व्यक्ति द्वारा नहीं बनाया गया है जिसने टिप्पणी की। यह केंद्र में सत्तारूढ़ सरकार द्वारा बनाया गया है। यह प्रधानमंत्री है, यह गृह मंत्री है, यह भाजपा और आरएसएस है जिसने यह माहौल बनाया है। क्रोध और घृणा का वातावरण। उन्होंने इसे देश विरोधी करार देते हुए कहा कि यह भारत के हित के खिलाफ है। कार्यालय में तोड़फोड़ को बताया दुर्भाग्यपूर्ण राहुल गांधी ने शुक्रवार को यहां अपने सांसद कार्यालय का भी दौरा किया जिसमें हाल ही में सत्तारूढ़ सीपीआई (एम) के छात्र विंग एसएफआई के कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की थी। अपने निर्वाचन क्षेत्र के तीन दिवसीय दौरे पर आए राहुल पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ कार्यालय पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि यह वायनाड के लोगों का कार्यालय है और वामपंथी छात्रों के कैडर ने जो किया वह काफी दुर्भाग्यपूर्ण बात है। उन्होंने कहा कि हिंसा कभी भी समस्याओं का समाधान नहीं करती है और उनके मन में उनके प्रति कोई क्रोध या शत्रुता नहीं है। राहुल ने कहा, देश में हर जगह आप यह विचार देखते हैं कि हिंसा से समस्याओं का समाधान हो जाएगा। हिंसा कभी समस्याओं का समाधान नहीं करती, यह अच्छी बात नहीं है, उन्होंने गैर-जिम्मेदार तरीके से काम किया। लेकिन मुझे उनके प्रति कोई गुस्सा या दुश्मनी नहीं है। हिंसा में शामिल एसएफआई कार्यकर्ताओं को उन्होंने 'बच्चे' कहा। पिछले हफ्ते राहुल गांधी के खिलाफ एसएफआई का एक विरोध मार्च हिंसक हो गया था, जब वामपंथी कार्यकर्ताओं के एक समूह ने उनके कार्यालय में घुसकर तोड़फोड़ की थी।

इसकी मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कड़ी निंदा की और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। गांधी के लोकसभा क्षेत्र वायनाड में कलपेट्टा में अपने शीर्ष नेता के कार्यालय में एसएफआई द्वारा "हिंसा के कृत्य" की कड़ी कार्रवाई की बात कही थी। इसे लेकर कांग्रेस ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया था जो कुछ क्षेत्रों में हिंसक हो गया। यह घटना तब हुई जब एसएफआई कार्यकर्ताओं ने जंगलों के आसपास बफर जोन के मुद्दे पर गांधी की निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए उनके कार्यालय तक मार्च निकाला था।

मनपा मुख्यालय मे मना राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस

गणेश पाण्डेय। भाईदंर

कोविड-19 महामारी में डॉक्टरों का योगदान महत्वपूर्ण रहा है डॉक्टर्स द्वारा की गई मरीज सेवा सराहनीय है उसके लिए मीरा भायंदर मनपा मुख्यालय मे कमिश्नर की उपस्थित मे डॉक्टर डे पर डाक्टरों को सम्मानित किया गया आयुक्त दिलीप ढोले के हाथो कोविड योद्धाओं का सम्मान किया गया इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त संभाजी पानपट्टे, उपायुक्त (मुख्यालय)मारुति गायकवाड़, उपायुक्त (चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग) संजय शिंदे,सहायक आयुक्त प्रियंका भोसले, चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी नंदकिशोर लहाने, चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के सभी चिकित्सक मौजूद थे।कोविड-19 की महामारी में डॉक्टरों द्वारा किए गए कार्यों को सलाम सलाम करते हुए मीरा भायंदर महानगरपालिका आयुक्त दिलीप ढोले ने मनपा प्रशासन की ओर से सभी डॉक्टरों को फूलों का गुलदस्ता देकर राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस की बधाई देते हुए सम्मानित किया। मीरा भायंदर महानगर पालिका क्षेत्र के सरकारी और प्राइवेट डॉक्टरों ने जिस तरह से कोविड काल में प्रशासन का सहयोग किया, दिन रात मरीजों की सेवा की,देश में, प्रदेश में मनपा क्षेत्र में जब डॉक्टरों लाकडाऊन लगा तो चिकित्सको ने हमेशा सैनिकों की तरह अपनी भूमिका निभाई। कमिश्नर ने उनके द्वारा किए गए कर्तव्य की सराहना की साथ ही मीरा भायंदर महानगरपालिका प्रशासन की ओर से कोविड काल में मृत चिकित्सक कर्मचारियों कोश्रध्दांजलि दी गई।इस अवसर पर आयुक्त ने कहा कि यदि डॉक्टरों की कोई समस्या या उन्हें कोई परेशानी रही तो मीरा भयंदर मनपा प्रशासन हमेशा सभी डॉक्टरों के साथ खड़ा रहेगा।

मध्य रेल पर आजादी का अमृत महोत्सव समारोह

गणेश पाण्डेय। मुंबई

मध्य रेल, रेलवे सुरक्षा बल ने 1 जुलाई से मध्य रेल के विभिन्न स्टेशनों पर "आजादी का अमृत महोत्सव" समारोह आयोजित किया जा रहा है। रेणु शर्मा, मंडल रेल प्रबंधक,पुणे मंडल ने दिनांक 1.7.2022 को 10.00 बजे पुणे और कोल्हापुर से 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' बाइक रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। एस.एस. केडिया, मंडल रेल प्रबंधक, भुसावल मंडल ने भुसावल से मुंबई तक इसी तरह की बाइक रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया. रैली में अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं अन्य अधिकारियों ने भाग लिया. ऋचा खरे, मंडल रेल प्रबंधक, नागपुर मंडल ने भी अपर मंडल रेल प्रबंधक जय सिंह और सीनियर डीएससी आशुतोष पांडे के साथ मंडल कार्यालय नागपुर से एक बाइक रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया.ये सभी बाइक रैली मुंबई में जुटेंगी और आजादी के दिन यानी 15.8.2022 को नई दिल्ली के लिए शुरू होंगी।आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोह में लगभग 60,000 पौधे रोपने का अभियान, जल सेवा, स्वच्छता अभियान, एकता के लिए दौड़ और स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान शामिल है।

साकीनाका में श्री जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली गई

संवाददाता। मुंबई, मुंबई के साकीनाका स्थित सत्य नगर में श्री जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली गई. रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा रथ में विराजित थे. इस मौके पर हजारों श्रद्धालु उपस्थित थे.हरिबोल, जय जगन्नाथ के मंत्रोच्चार और झांझ, घड़ियों की आवाज से माहौल जगन्नाथमय बन गया था. इस रथयात्रा में आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, आयोजक रमेश चन्द्र मुनि, एस अण्णामलाई, अश्विनी माटेकर, बाबू बत्तेली, राम साहू, एड कैलास आगवने, राजन गुप्ता, विनोद मुनि, सुरेंद्र सिंह, सुभाष गायकवाड, किशोर दमाल, नीलांचल साहू, रत्नाकर शेट्टी ने हिस्सा लिया.

सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दाखिल, अदालत से नुपुर शर्मा पर की गई टिप्पणी वापस लेने की मांग

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि नुपुर शर्मा को टीवी पर देश से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए। उदयपुर की घटना के लिए उनका बयान ही जिम्मेदार है। वहीं इस बीच सामाजिक कार्यकर्ता अजय गौतम ने भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है जिसमें उन्होंने अदालत से सुनवाई के दौरान नुपुर शर्मा के लिए की गई टिप्पणी को वापस लेने की मांग की है। बता दें कि निलंबित नेता नुपुर शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मांग की थी कि उनके खिलाफ देश के विभिन्न हिस्सों में केस दर्ज हैं। उनकी जान को खतरा है इसलिए उनका केस दिल्ली में ट्रांसफर किया जाए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की और कहा कि इसे पहले हाईकोर्ट में दायर किया जाना था। नुपुर शर्मा को मिलना चाहिए फेयर ट्रायल- याचिकाकर्ता अब सामाजिक कार्यकर्ता अजय गौतम की ओर से दायर याचिका में मांग की गई है कि नुपुर शर्मा केस में सुनवाई के दौरान की गई टिप्पणियां सुप्रीम कोर्ट को वापस लेनी चाहिए। इसके पीछे याचिका में तर्क दिया गया है कि इससे नुपुर शर्मा की जान को खतरा है। उन्हें फेयर ट्रायल का मौका मिलना चाहिए।

ममता बनर्जी का बड़ा बयान, मुर्मू के नाम की घोषणा करने से पहले भाजपा ने हमारा सुझाव मांगा होता तो...

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि अगर भाजपा ने द्रौपदी मुर्मू को मैदान में उतारने से पहले उनके साथ चर्चा की होती तो विपक्षी दल एनडीए की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार का समर्थन करने पर विचार कर सकते थे।

'आम सहमति वाला उम्मीदवार देश के लिए बेहतर'

बनर्जी ने कहा कि महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन के बाद मुर्मू के पास 18 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में जीत की बेहतर संभावना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक आम सहमति वाला उम्मीदवार हमेशा देश के लिए बेहतर होता है।

महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन से मुर्मू के जीतने की संभावना'

बनर्जी ने यहां एक रथयात्रा कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा,

भाजपा की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के पास महाराष्ट्र में हुए डेवलपमेंट के कारण (राष्ट्रपति चुनाव जीतने के लिए) बेहतर संभावनाएं हैं।

अगर भाजपा ने मुर्मू के नाम की घोषणा करने से पहले हमारा सुझाव मांगा होता तो हम भी अधिक हितों को ध्यान में रखते हुए इस पर विचार कर सकते थे।

यशवंत सिन्हा हैं राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी दलों के उम्मीदवार

टीएमसी सुप्रीमो ने कहा कि वह विपक्षी दलों के फैसले के मुताबिक ही चलेंगी।

बता दें कि कांग्रेस और टीएमसी सहित गैर-भाजपा दलों ने पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा को राष्ट्रपति चुनाव के लिए संयुक्त उम्मीदवार के रूप में नामित किया है।

राष्ट्रपति चुनाव में इनका वोट होगा मान्य

राष्ट्रपति चुनाव में लोकसभा और राज्यसभा के चुने हुए सांसदों के अलावा राज्यों के चुनए हुए विधायक वोट दे सकते हैं।

28 राज्यों के अलावा दिल्ली और पुडुचेरी के विधानसभा सदस्य भी इस चुनाव में वोट डाल सकेंगे।

इस चुनाव में लोकसभा और राज्यसभा के 776 सांसद वोट देने के योग्य होंगे और हर सांसद के वोट का मूल्य 700 रखा गया है। इसका मतलब सांसदों के कुल वोटों का मूल्य 543200 होगा।

नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 2 जुलाई

राष्ट्रपति चुनाव के लिए 98 लोगों ने पर्चा भरा था जिसमें से केवल दो उम्मीदवार बचे हैं।

नामांकन और जांच की प्रक्रिया खत्म होने के बाद बाकी अभी लोगों के पर्चे खारिज कर दिए गए। 2 जुलाई नाम वापस लेने की आखिरी तारीख है।

मुर्मू और सिन्हा का ही आवेदन सही पाया गया

चुनाव के पीठासीन अधिकारी की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, 29 जून को
नामांकन की आखिरी तारीख खत्म होने तक कुल 98 लोगों ने 115 सेट नामांकन पत्र भरा। इनमें से 26 लोगों के नामांकन उसी समय तकनीकी कारणों से रद्द कर दिए गए थे,
जब इसे उन्होंने भरा था। बाकी 72 लोगों के नामांकन पत्र की जांच गुरुवार को की गई जिनमें से केवल एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू और यूपीए उम्मीदवार यशवंत सिन्हा का नामांकन ही सही पाया गया।

चिदंबरम ने जीएसटी में बताई कई कमियां, कहा- इसमें गंभीर जन्म दोष, अर्थव्यवस्था को किया बर्बाद

पूर्व वित्त मंत्री व कांग्रेस मंत्री पी चिदंबरम ने जीएसटी में गंभीर कमियां बताई हैं। चिदंबरम ने कहा कि जीएसटी में गंभीर जन्म दोष हैं जो पिछले पांच वर्षों में बदतर हो गए हैं। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि जीएसटी कानूनों और उनके कार्यान्वयन के तरीके ने अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है और पार्टी जीएसटी 2.0 के जरिए इसे बदलने की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा कि नोटबंदी सरकार का पहला तुगलकी फरमान था, जबकि जीएसटी दूसरा जिसने अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया।

चिदंबरम ने कहा- जीएसटी में गंभीर जन्म दोष कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जीएसटी शुक्रवार को अपना पांचवां जन्मदिन मना रहा है लेकिन वास्तव में जश्न मनाने के लिए कुछ भी नहीं है। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी में गंभीर जन्म दोष है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस यह स्पष्ट करना चाहती है कि आज जो तथाकथित जीएसटी लागू है, वह यूपीए सरकार द्वारा परिकल्पित जीएसटी नहीं था। आज हमारे पास जीएसटी में कई दरों, शर्तों, अपवादों और छूटों का एक जटिल जाल है जो करदाता को भी पूरी तरह से हैरान कर देगा। सभी पंजीकृत डीलर सूचित करदाता नहीं हैं, नतीजतन वे टैक्स कलेक्टर की दया पर जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक कमियों से भरे जीएसटी ने एमएसएमई का बड़े पैमाने पर विनाश किया है, एक ऐसा क्षेत्र जो विनिर्माण क्षेत्र में 90 प्रतिशत नौकरियों का योगदान देता है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लाए गए जीएसटी का सबसे बुरा परिणाम केंद्र और राज्यों के बीच विश्वास का पूर्ण रूप से टूटना रहा है। चिदंबरम ने कहा कि जहां तक कांग्रेस पार्टी का सवाल है, हम मौजूदा जीएसटी को खारिज करते हैं और 2019 के चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादे के मुताबिक, हम मौजूदा जीएसटी को जीएसटी 2.0 से बदलने की दिशा में काम करेंगे, जो सिंगल लो-रेट होगा।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल,
उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।